RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 144 | जयपुर, गुरूवाड़ा, चित्तौड़गढ़ सोमवार, 23 नवम्बर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

संक्षिप्त समाचार

'दमादम मस्त कलंदर' पर झूम उठी एससीओ की महफिल, पीएम मोदी भी हुए सूफी संगीत के मुरीद



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पुराने किले में सजी महफिल में जब 'दमादम मस्त कलंदर ' की गूंज उठी तो माहौल सूफियाना रंग में रंग गया। सुरों की ऐसी तान छिड़ी कि वहां मौजूद मेहमान भी संगीत की मस्ती में डूबते नजर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस खास महफिल का आनंद लिया। मौका था शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभ्यता संवाद मंच का, जहां अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सूफी संगीत ने सरहदों से परे एक साझा सांस्कृतिक तस्वीर पेश की।

ब्रिटिश तैराक ने तैरकर 3 दिन में होर्मुज पार किया



लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के मशहूर तैराक लुईस प्यू ने जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में तैराकी की। उन्होंने 3 दिन में करीब 15 किलोमीटर का सफर तैरकर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने तेल टैंकर और जहाजों पर हमला होते देखा। 56 साल के प्यू संयुक्त राष्ट्र (यूएस) में समुद्रों की सुरक्षा से जुड़े विशेष प्रतिनिधि हैं। उन्होंने यह तैराकी जंग के कारण समुद्री जीवों और पर्यावरण को हो रहे नुकसान की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए की।

नेतन्याहू के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार आइजनकोट

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल में नई सरकार बनाने के लिए याशार पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को बुलाया है। दोनों पार्टियों के बीच रविवार को गठबंधन सरकार बनाने को लेकर बातचीत होगी। आइजनकोट ने साफ किया है कि नई सरकार बनने पर प्रधानमंत्री वह खुद बनेंगे। इसके एक हफ्ते पहले नेतन्याहू ने आइजनकोट से अपील की थी कि मिलकर सरकार बनाते हैं। लेकिन आइजनकोट ने कहा था कि नेतन्याहू चुनाव हार चुके हैं।

क्रूजर खड़े ट्रक में घुसी, 9 श्रद्धालुओं की मौत

सभी मृतक महाराष्ट्र के रहने वाले थे और खाटू श्याम जी से लौट रहे थे

जयपुर। खाटू श्याम जी से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी क्रूजर कोटा में कोटा उदयपुर हाईवे पर एक खड़े ट्रक में घुस गई जिससे क्रूजर में सवार जो श्रद्धालुओं की मौत हो गई ज्यादा 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका कोटा के अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसपी तेजस्विनी गौतम नहीं जानकारी देते हुए बताया कि कोटा उदयपुर नेशनल हाईवे पर नाता गांव के पास शंभूपुरा थाना क्षेत्र में रात के करीब 1:00 बजे एक खड़े ट्रक में एक क्रूजर जा घुसी।? भिंड जितनी जबरदस्त थी कि क्रूजर में सवार लोग फंस गए घटना की सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत कार्य शुरू किया। इस भिड़ंत में क्रूजर में सवार नौ जनों की मौके परी मौत हो गई तथा 7 जने घायल हो गए जिनको न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि क्रूजर में सवार सभी 16 जने महाराष्ट्र के रहने वाले थे और खाटू श्याम



जी के दर्शन करके वापस महाराष्ट्र लौट रहे थे और यह हादसा हो गया इस हादसे का कारण ड्राइवर को नींद की जबकि होना सामने आया है। ? इस क्रूजर में एक ही परिवार के 16 जाने सवार थे जिनमें बच्चे भी शामिल थे। हादसे में सज्जन (62) और उनकी पत्नी उषा बाई (60), सुशीला (62), कैलाश (35) व उनकी पत्नी अनीता (34), सानवी (3), बाबूलाल (75), जाह्नवी (7) और माधवी (32) की मौत हुई है।

सोना 65 हजार सस्ता होने पर पीएम मोदी को लेटर

कारोबारी संगठन बोला- प्रधानमंत्री ने बचा लिया, मई में सोना न खरीदने की अपील की थी



नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोना न खरीदने की सलाह को लेकर व्यापारियों ने उन्हें थैंक यू लेटर लिखा है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का कहना है कि पीएम की सलाह के बाद व्यापारियों ने महंगे भाव पर सोना नहीं खरीदा। इससे वे बड़े नुकसान से बच गए। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल के मुताबिक, पीएम मोदी की सलाह के समय सोने का भाव 1.90 करोड़ रुपए प्रति किलो था, जो अब घटकर 1.25 करोड़ रुपए रह गया है। यानी प्रति किलो 65 लाख रुपए की गिरावट आई है। वहीं, इसे प्रति 10 ग्राम में देखें तो भाव 1.90 लाख रुपए से घटकर 1.25 लाख रुपए प्रति किलो रह गया है।

सीटीआई ने पीएम मोदी की तारीफ में बताईं 3 बातें

ज्वैलरी कारोबारियों को नुकसान से बचाया- देशभर के लाखों ज्वैलर्स कई महीनों का सोना स्टॉक में रखते हैं। अगर व्यापारी उस समय पुराने भाव पर सोना खरीदा होता, तो उन्हें प्रति किलो 65 लाख रुपए का नुकसान होता। इससे लाखों ज्वैलर्स कर्ज में डूब सकते थे। उन्होंने बताया कि सीटीआई के ग्रुपों में व्यापारी मैसेज भेजकर कह रहे हैं- मोदी जी ने बचा लिया।

विरोध करने वाले भी मान रहे सही- सीटीआई का कहना है कि जिस सलाह का पहले विरोध हुआ था, अब कई व्यापारी और ज्वैलर्स उसकी तारीफ कर रहे हैं।

शादी के सीजन में ग्राहकों को फायदा- सोने के भाव गिरने से शादी की खरीदारी करने वाले परिवारों को राहत मिल रही है। संगठन के मुताबिक, इस सीजन में करीब 52 लाख शादियां होनी हैं।

आगे भी मार्गदर्शन देने की मांग- सीटीआई ने पीएम से सोने-चांदी के बाजार को लेकर समय-समय पर व्यापारियों को सलाह देने की अपील की है, ताकि सट्टेबाजी और जमाखोरी पर रोक लगाई जा सके।

● 2035 तक स्पेस स्टेशन से होगा बड़ा प्रयोग

अब अंतरिक्ष में बनेंगी भविष्य की दवाएं, भारत की नई तैयारी...

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत अब दवा निर्माण के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने की तैयारी कर रहा है। दुनिया की फार्मेसी के रूप में पहचान रखने वाला भारत अब अपनी फार्मास्यूटिकल विशेषज्ञता को अंतरिक्ष तकनीक के साथ जोड़ने की संभावनाएं तलाश रहा है। वैज्ञानिकों, बायोटेक कंपनियों और स्टार्टअप्स की नजर अब अंतरिक्ष में दवाओं के विकास और निर्माण पर है। माना जा रहा है कि माइक्रोग्रैविटी यानी बेहद कम गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में होने वाले प्रयोग भविष्य में बेहतर दवाएं विकसित करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हाल ही में संपन्न हुए बेंगलुरु टेक समिट में वैज्ञानिकों और स्पेस-टेक उद्यमियों ने इस विषय पर चर्चा की।



विदेशी कंपनियों की भी भारत पर नजर

अंतरिक्ष में दवा निर्माण और बायो-मैन्युफैक्चरिंग की संभावनाओं को देखते हुए विदेशी कंपनियां भी भारत की ओर आकर्षित हो रही हैं।

2035 तक तैयार हो सकता है भारत का अंतरिक्ष स्टेशन

भारत इस उभरते क्षेत्र में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने के लिए प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम कर रहा है। उम्मीद है कि यह स्टेशन 2035 तक पूरी तरह से काम करने लगेगा। इसके जरिए भारत अंतरिक्ष में बायोटेक्नोलॉजी और फार्मास्यूटिकल रिसर्च को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के 2030 के आसपास रिटायर होने की उम्मीद है। ऐसे में कई देश और निजी कंपनियां व्यावसायिक अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं विकसित करने की तैयारी कर रही हैं।

हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि भारत को अपने अंतरिक्ष स्टेशन के तैयार होने तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। ISRO के पूर्व अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार के मुताबिक, जमीन पर और पैराबोलिक उड़ानों के माध्यम से भी माइक्रोग्रैविटी से जुड़े छोटे प्रयोग किए जा सकते हैं। इससे भविष्य में ऑर्बिट में बड़े स्तर पर रिसर्च करने से पहले जरूरी तकनीकी अनुभव हासिल किया जा सकता है।

क्या है माइक्रोग्रैविटी और कैसे आएगी दवा बनाने में काम ?

माइक्रोग्रैविटी ऐसी स्थिति है, जिसमें गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव बेहद कम महसूस होता है। इसी वजह से अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष यान के अंदर तैरते हुए दिखाई देते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस स्थिति में कुछ प्रोटीन क्रिस्टल पृथ्वी की तुलना में अधिक समान रूप से विकसित हो सकते हैं। पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण प्रोटीन क्रिस्टल के बनने और बढ़ने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। वहीं, अंतरिक्ष में माइक्रोग्रैविटी के कारण वैज्ञानिकों को प्रोटीन की संरचना का अधिक बारीकी से अध्ययन करने का अवसर मिल सकता है।

अयोध्या से जनकपुर तक अब जाएगी ट्रेन

● पीएम मोदी-नेपाल के पीएम बालेन शाह आज करेंगे उद्घाटन



अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या से माता सीता की जन्मस्थली नेपाल के जनकपुर धाम तक अब सीधी ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस (15595/15596) का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे।

दोनों प्रधानमंत्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दौरान सीएम योगी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव अयोध्या में कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगे।रेलवे के मुताबिक, आम यात्रियों के लिए ट्रेन का नियमित संचालन 28 नवंबर से शुरू होगा। करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करने में ट्रेन को लगभग 19 घंटे लगेंगे। यह साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन होगी। जनकपुर धाम से शनिवार दोपहर रवाना होकर रविवार सुबह अयोध्या पहुंचेगी।

▶ सीएक्यूएम सख्त, दिल्ली-एनसीआर राज्यों को जारी किए निर्देश

दिल्ली में पॉल्यूशन से निपटने के लिए अब जिला स्तर पर बनेगी बड़ी योजना

स्टेट एक्शन प्लान में कई इलाकों से जुड़े उपाय जैसे गाड़ियों से होने वाला पॉल्यूशन, सड़क की धूल, उद्योगों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्य व पराली का प्रबंधन शामिल

● नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर के लिए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने पहली बार दिल्ली और अन्य एनसीआर राज्यों को एयर पॉल्यूशन से निपटने के लिए जिला स्तरीय कार्य योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया है। इसमें 2026 की तुलना में 2027 तक सालाना औसत पॉल्यूशन लेवल को 15 से 20 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य रखा गया है। आयोग ने ये निर्देश ऐसे समय में दिए हैं जब एनसीआर राज्यों की राज्य एक्शन प्लान्स के तहत करीब आधे एक्शन पॉइंट्स को असंतोषजनक माना गया है। सितंबर तक के हालात के हिसाब से कुल 165 एक्शन पॉइंट्स में से 76 (46.06 प्रतिशत) को असंतोषजनक, 18 (10.91 प्रतिशत) को सुधार की आवश्यकता वाला और केवल 37 (22.42 प्रतिशत) को संतोषजनक माना गया।

इसके अलावा, 34 (20.61 प्रतिशत) पॉइंट्स को आवश्यक नहीं की श्रेणी में रखा गया। वहीं, दिल्ली के लिए तय किए गए 32 एक्शन पॉइंट्स में से 8 (25.00 प्रतिशत) को संतोषजनक, 18 (56.25 प्रतिशत) को असंतोषजनक और 2 (6.25 प्रतिशत)



को सुधार की आवश्यकता वाला माना गया। बाकी 4 (12.5 प्रतिशत) पॉइंट्स को जरूरत नहीं की श्रेणी में रखा गया। मूल्यांकन किए गए राज्यों में, पॉल्यूशन संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने के मामले में दिल्ली की प्रगति सबसे कम (50.88 प्रतिशत) रही है, जबकि इसकी तुलना में उत्तर प्रदेश (64.82 प्रतिशत), पंजाब (58.28 प्रतिशत), हरियाणा (51.54 प्रतिशत) और राजस्थान (51.23 प्रतिशत) का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर रहा।

2027 का बनाएं प्लान- कमीशन, 5 दिसंबर तक का दिया समय

शुक्रवार को जारी निर्देशों में, कमीशन ने दिल्ली और एनसीआर राज्यों से कहा कि वे जिला स्तर पर 2027 के लिए एक्शन प्लान तैयार करें (राज्य और नगर निगम स्तर पर ऐसे प्लान पहले से मौजूद हैं)। इन प्लान में ठोस उपाय, मापने योग्य लक्ष्य, समय-सीमा और उन्हें लागू करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान की जानी चाहिए, ताकि हवा की क्वालिटी में सुधार किया जा सके। हर एक्शन पॉइंट के लिए उसे लागू करने वाले विभाग या एजेंसी की पहचान होनी चाहिए। साथ ही, प्रगति की निगरानी के लिए जिम्मेदार नोडल अधिकारी का नाम, पद और नंबर भी दिया जाना चाहिए। सीएक्यूएम ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे नगर निगमों, जिला आयुक्तों, जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों को तुरंत तैयारियां शुरू करने का निर्देश दें। इन योजनाओं को 5 दिसंबर तक आयोग के ऑनलाइन पोर्टल के जरिए जमा करना होगा। आगे कहा गया है कि प्रगति का आकलन करने, कमियों और चुनौतियों की पहचान करने, एजेंसियों के बीच तालमेल बेहतर बनाने के लिए, राज्य और नगर निकायों की मौजूदा कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की गई है।

अपडेटेड एमिशन इन्वेंट्री पर निर्भर करेगी

दिल्ली स्थित थिंक टैंक एनवायरोकैटलिस्ट्स के संस्थापक और मुख्य विश्लेषक सुनील दहिया ने कहा कि जवाबदेही तय करने की दिशा में जिला-स्तरीय योजना बनाना एक अहम कदम है। उन्होंने कहा, पहली बार, राज्य और नगरपालिका स्तर के साथ-साथ जिला स्तर पर भी योजनाएं तैयार की जाएंगी। हर कार्य के लिए मापने योग्य लक्ष्य, समय-सीमा और एक नोडल अधिकारी का होना आवश्यक होगा। इससे यह साफ हो जाएगा कि कौन सा कार्य कहाँ लागू होता है, यह किस क्षेत्र से जुड़ा है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। हालांकि, सुनील दहिया ने कहा कि इस पहल की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अपडेटेड एमिशन इन्वेंट्री उपलब्ध हैं या नहीं और जिला प्रशासन के पास उन्हें बनाए रखने की कितनी क्षमता है। उन्होंने कहा, जिला प्रशासन के पास अपडेटेड एमिशन इन्वेंट्री होनी चाहिए। साथ ही, उनके पास हर तिमाही में इन इन्वेंट्री को अपडेट करने के लिए जरूरी स्किल और संसाधन भी होने चाहिए। उन्होंने जिला-वार एमिशन डेटा को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने की जरूरत पर भी जोर दिया।

लॉ ग्रेजुएशन की शर्तों में लीगल एड वर्क शामिल हो

एआई पर प्रतिबंध न लगाएं, छात्रों को इसका जिम्मेदारी से इस्तेमाल सिखाएं

सीजेआई सूर्यकांत ने लॉ स्कूलों को दी सलाह, वास्तविक कानूनी समस्याओं को समझने प्रैक्टिकल अनुभव जरूरी

● नई दिल्ली

देश के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने कानूनी शिक्षा के मौजूदा तौर-तरीकों में बदलाव को लेकर जरूरी बातें बताई हैं। उनका मानना है कि लॉ की पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि छात्रों को अदालतों में काम करने और वास्तविक कानूनी समस्याओं को समझने का प्रैक्टिकल अनुभव भी मिलना चाहिए।

इसके लिए उन्होंने लॉ के छात्रों के ग्रेजुएशन की शर्तों में लीगल एड वर्क यानी कानूनी सहायता से जुड़े काम को शामिल करने की सलाह दी है। सीजेआई सूर्यकांत ने यह बात हैदराबाद में कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन के पहले सालाना इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लीगल एजुकेशन 2026 के उद्घाटन सत्र में कही। उन्होंने अपने संबोधन में कानूनी शिक्षा में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, लीगल एड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार इस्तेमाल को जरूरी बताया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जो छात्र निर्धारित जरूरत से ज्यादा लीगल एड का काम करते हैं, उन्हें इसके लिए एकेडमिक क्रेडिट दिया जाना चाहिए।



ग्रेजुएशन के लिए जरूरी कानूनी मदद का काम

सीजेआई ने ग्रेजुएशन के लिए लीगल एड वर्क का कम से कम समय जरूरी करने का प्रस्ताव रखा और तय जरूरत से ज्यादा काम करने वाले छात्रों को एक्स्ट्रा एकेडमिक क्रेडिट देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि लीगल एड क्लीनिक को क्लासरूम एक्सरसाइज से आगे बढ़ाना चाहिए और इसमें स्टूडेंट्स को लीगल सर्विस अथॉरिटीज के जरिए पैनल वकीलों और पैरा-लीगल वॉलंटियर्स के साथ काम करना शामिल करना चाहिए। कोर लॉ सब्जेक्ट्स में क्लिनिकल लर्निंग को ज्यादा इंटीग्रेट करने की बात करते हुए उन्होंने एविडेंस, क्रिमिनल प्रोसीजर, फैमिली लॉ और कॉन्स्टिट्यूशनल लॉ में प्रैक्टिकल एक्सरसाइज का भी सुझाव दिया है।

एआई को लेकर गाइडलाइन बनाने की आवश्यकता

सीजेआई ने कहा कि लॉ स्कूलों को एकेडमिक काम में एआई के इस्तेमाल और जानकारी देने के बारे में साफ गाइडलाइंस बनानी चाहिए। कॉमनवेल्थ देशों के लॉ स्कूलों और जर्नल्स के लिए मॉडल गाइडलाइंस बनाने के लिए सीएलईए से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि एआई लीगल रिसर्च में मदद कर सकता है, लेकिन स्टूडेंट्स को इसके आउटपुट को प्राइमरी सोर्स से वेरिफाई करना होगा। सीजेआई ने बिना सोचे-समझे एआई को अपनाने और उस पर पूरी तरह बैन लगाने का भी विरोध जताया और इस बात पर जोर दिया कि स्टूडेंट्स को अपने सबमिशन की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने एकेडमिक मिसकंडक्ट का पता लगाने के लिए सिर्फ एआई-डिटेक्शन सॉफ्टवेयर पर निर्भर रहने के खिलाफ भी चेतावनी दी। उनके अनुसार, सुझाव यह होना चाहिए कि ओरल असेसमेंट किया जाए और स्टूडेंट्स से कहा जाए कि वे बताए गए कानूनी अधिकारियों का बचाव करें ताकि उनकी असल समझ का पता लगाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

आपसी लेन-देन के विवाद को नहीं बता सकते साइबर फ्रॉड, 30 लाख के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का फैसला



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने साफ किया है कि जान-पहचान के लोगों के बीच आपसी सहमति से हुए लेन-देन के निजी विवाद को साइबर फॉड का नाम नहीं दिया जा सकता और न ही साइबर फॉड रिपोर्टिंग सिस्टम का इस्तेमाल करके पैसा वापस पाया जा सकता है।

कोर्ट ने 30 लाख रुपये के ट्रांसफर से जुड़ी साइबर शिकायत के मामले में एक पिता और बेटे के दो फीज बैंक खातों को डी-फीज करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी ने खुद माना है कि यह साइबर फॉड के दायरे में नहीं आता और रकम खाताधारक या उसके परिवार ने खुद बैंकिंग चैनल से भेजी थी। यह विवाद जुलाई 2013 के एक प्रॉपर्टी सौदे से जुड़ा है। पिता ने करोल बाग में एक प्रॉपर्टी की तीसरी मंजिल की छत और टेरेस के अधिकार के साथ 60 लाख रुपये में खरीदने का सौदा किया था और कंपनी को 30 लाख रुपये बयाना दिया था। कंपनी ने सेल डीड नहीं की तो पिता ने 2016 में सिविल मुकदमा दायर किया।

दिल्ली में अगले 6 दिन खतरनाक, बेहद खराब श्रेणी में पहुंचेगी हवा! बच्चों-बुजुर्गों के लिए जरूरी सलाह



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की हवा पिछले 7 दिनों से खराब श्रेणी में बनी हुई है, लेकिन अगले सप्ताह फिर से बहुत खराब श्रेणी में पहुंच सकती है। शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 265 यानी खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। प्रदूषण के लिए सबसे प्रमुख कारण वाहनों से होने वाला उत्सर्जन है। पिछले तीन दिनों से शहर की वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार है। 19 नवंबर को एक्यूआई 280 से घटकर 20 नवंबर को 270 और शनिवार को 265 पर आ गया। वहीं, 56 वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों में से, 32 खराब श्रेणी में, 16 बहुत खराब श्रेणी में और सात मध्यम श्रेणी में थे, जबकि एक संतोषजनक श्रेणी में था। दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) की हवा सबसे अधिक रही। यहां का एक्यूआई 362 दर्ज हुआ। दिल्ली छावनी क्षेत्र में एक्यूआई 80 रहा।

वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के वास्तविक समय के स्रोत निर्धारण अनुमानों के अनुसार, शनिवार को दिल्ली की पीएम2.5 सांद्रता में सबसे बड़ा हिस्सा वाहनों का उत्सर्जन लगभग 33.1 प्रतिशत था।

एचआईवी की बात छिपाकर शादी की, अस्पताल की पर्ची से खुला राज

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थानाक्षेत्र निवासी महिला ने पति और ससुरालियों पर एचआईवी संक्रमण की बात छिपाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कनावनी निवासी महिला ने राष्ट्रीय महिला आयोग को शिकायत भेजी थी। महिला ने बताया कि वह नोएडा की एक रियल एस्टेट कंपनी में सेल्स एग्जीक्यूटिव थी। 17 जुलाई 2024 को दिल्ली के अशोक विहार निवासी युवक संपत्ति खरीदने के लिए कार्यालय आया था। युवक ने उनका मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद वह कई बार मिलने आया और बताया कि वह तलाकशुदा है। साथ ही शादी का प्रस्ताव रखा। परिवार वालों की सहमति से 2024 मेंदोनों की शादी हुई। शादी के बाद पति उन्हें फरीदाबाद के सेक्टर-21डी स्थित मकान में ले गया। महिला का आरोप है कि यहां पति का व्यवहार बदल गया। वह आए दिन झगड़ा और मारपीट करने लगा। करीब छह माह पहले उन्हें पति की जेब से एक अस्पताल की पर्ची मिली। इसमें पति के एचआईवी संक्रमित होने के बारे में लिखा था। वह संबंधित अस्पताल में जाकर चिकित्सक से मिलीं तो इसकी पुष्टि हुई। बाद में पता चला कि पति की पहली पत्नी से तलाक भी एचआईवी संक्रमण के कारण हुआ था।

डीडीए के फ्लैटों के लिए रजिस्ट्रेशन, हाउस टैक्स जमा करने की तारीख बढ़ी



नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा खुशहाल परिवार आवास योजना को लेकर कुल 446 एमआईजी फ्लैटों के लिए खरीदार पंजीकरण व बुकिंग कर सकते हैं। इसमें लोकनायकपुरम में 133, जहांगीरपुरी में 17 और नरेला में 296 एमआईजी फ्लैटों के लिए खरीदार आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए डीडीए वेबसाइट पर जाएं।

गोड्डा के लिए विशेष रेलगाड़ी चलेगी: यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली के शकूर बस्ती से गोड्डा (झारखंड) स्टेशन के बीच विशेष ट्रेन चलेगी। गाड़ी संख्या 03459 गोड्डा से रोज 25 नवंबर तक सुबह 8 बजे चलकर अगली दोपहर 2.15 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 03460 रोज 26 नवंबर तक दोपहर 3.30 बजे चलकर अगली रात 10.30 बजे गोड्डा पहुंचेगी।

त्रिवेणी थिएटर फेस्ट के लिए आवेदन का मौका: त्रिवेणी कला संगम की ओर से आयोजित होने वाले चौथे त्रिवेणी थिएटर फेस्ट के लिए आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाकर 24 नवंबर कर दी गई है। यह महोत्सव 21 से 28 फरवरी तक आयोजित होगा। इसमें दिल्ली-एनसीआर के थिएटर समूहों को अपनी प्रस्तुति देने का मौका मिलेगा।

- **पुरानी दिल्ली की हवेली सांस्कृतिक केंद्र बनेगी:** पुरानी दिल्ली की ऐतिहासिक विरासत को नया स्वरूप देने की तैयारी है। दिल्ली नगर निगम प्रशासन और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) मिलकर खारी बावली और लाहौरी गेट के पास स्थित श्री नारायण हवेली को सांस्कृतिक केंद्र व संग्रहालय के रूप में विकसित करेंगे। इस परियोजना के तहत हवेली का विकास, संचालन और रखरखाव किया जाएगा।
- **बस टर्मिनल में कई सुविधाएं बढ़ेंगी:** नोएडा के सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन बस टर्मिनल को चमकाने का काम शुरू हो गया है। इसको नए आकार में बनाकर सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। इसी क्रम में प्राधिकरण ने यहां पर ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने, फसाड़ लाइटें लगाने समेत अन्य काम के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इन काम पर नौ करोड़ 45 लाख 51 हजार रुपये का खर्च आएगा। आने वाले समय में यहां से अधिक संख्या में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जाना प्रस्तावित है।
- **औषधि पार्क में प्राकृतिक चिकित्सा की सुविधा होगी:** नोएडा के सेक्टर-91 में बने औषधि पार्क में अब लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा का भी फायदा मिलेगा। प्राधिकरण ने अब इस पार्क में आयुर्वेदिक और नेचुरोपैथी चिकित्सा केंद्र खोलने की तैयारी शुरू कर दी है। उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभी पार्क में सुबह और शाम मिलाकर करीब दो हजार से अधिक लोग पार्क में सैर के लिए आते हैं। चिकित्सा केंद्र शुरू होने के बाद ये लोग आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से अपना इलाज करा सकेंगे।

नूंह में 25 जनवरी से शुरू होगी जनगणना

नूंह। नूंह जिले में जनगणना-2027 के तहत 25 जनवरी से 28 फरवरी तक घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना की जाएगी। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि नागरिक 10 से 24 जनवरी तक ऑनलाइन स्व-गणना भी कर सकेंगे।

छात्रों के लिए रोजगार मेला लगेगा

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के साथ व्यावसायिक शिक्षा हासिल करने वाले विद्यार्थियों को रोजगार पाने का अवसर मिलेगा। समग्र शिक्षा गुरुग्राम की ओर से 23 नवंबर को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) में एक दिवसीय रोजगार मेला लगेगा। इसमें जिले के सरकारी स्कूलों से राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) के तहत व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा कर चुके विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।

हाउस टैक्स जमा करने की तारीख बढ़ी

गाजियाबाद। नगर निगम में हाउस टैक्स के बकायेदारों को राहत देने के लिए लागू ओटीएस की समयसीमा शासन ने एक माह और बढ़ा दी है। पहले योजना के तहत आवेदन करने की अंतिम तारीख 14 नवंबर थी जिसे बढ़ाकर 14 दिसंबर कर दिया है। वहीं, बकाया टैक्स जमा करने की अंतिम तारीख 15 दिसंबर से बढ़ाकर 15 जनवरी कर दी है।

दिल्ली के 154 एंट्री पॉइंट्स पर लागू होगा मल्टी लेन फ्री फ्लो, जाम से मिलेगी राहत; टोल पर रुकने का झंझट खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सीमाओं पर लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। राजधानी के 154 प्रवेश द्वारों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) यानी बहु-लेन निर्बाध टोल वसूली प्रणाली लागू करने की तैयारी तेज हो गई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को उम्मीद है कि इस नई व्यवस्था से टोल प्लाजा पर लगने वाली वाहनों की लंबी कतारें खत्म होंगी और दिल्ली की सीमाओं पर यातायात सुचारु हो सकेगा। कई स्थानों पर इसका परीक्षण शुरू कर दिया गया है और परियोजना का काम जल्द पूरा होने की उम्मीद है।

वाहनों को बूथ पर रुकने की जरूरत नहीं: दरअसल, दिल्ली में प्रवेश करने वाले व्यावसायिक वाहनों को टोल चुकाने के लिए अक्सर बूथ पर रुकना पड़ता है। इससे सीमाओं पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। इसका असर यातायात के साथ पर्यावरण पर भी पड़ता है। वाहनों के लंबे समय तक खड़े रहने से ईंधन की खपत और प्रदूषण बढ़ता है।

इस समस्या के समाधान के लिए एनएचएआई लगातार नजर रख रहा है। टोल वसूली से जुड़ा यह मामला एनएचएआई सुप्रीम कोर्ट लेकर गई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने नई

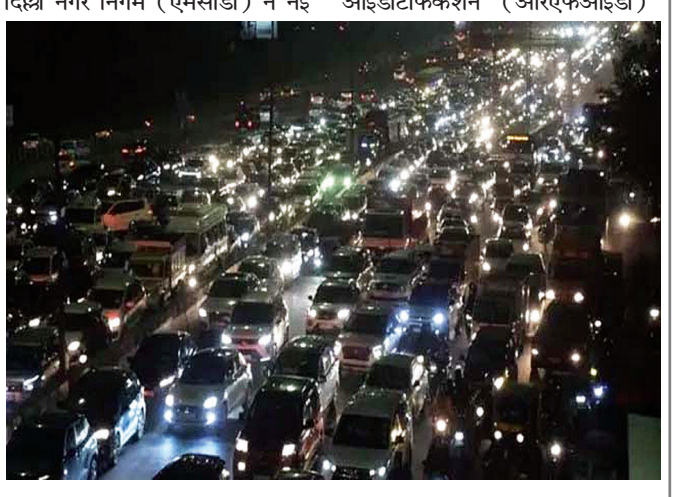

व्यवस्था लागू करने की दिशा में काम तेज किया है।

एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद इस पर जाम को लेकर लगातार अध्ययन किया जाएगा। एमएलएफएफ प्रणाली में वाहन चालकों को टोल चुकाने के लिए रुकने की जरूरत नहीं होगी। वाहनों पर लगे रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआइडी) टैग को सेंसर स्कैन करेंगे।

वहीं, विशेष कैमरों से नंबर प्लेट की तस्वीर लेकर वाहन का पंजीकरण नंबर दर्ज किया जाएगा। इन दोनों माध्यमों से वाहन की पहचान कर टोल भुगतान की प्रक्रिया पूरी होगी।

डीयू में चुनावी बिगुल, 4 फरवरी को ईसी और एसी की 28 सीटों पर होगा शिक्षकों का महामुकाबला



नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में अब शिक्षकों के बीच प्रतिनिधित्व की लड़ाई विश्वविद्यालय की नीतियों और फैसलों तक पहुंचने वाली है। 4 फरवरी 2027 को होने वाले कार्यकारी परिषद (ईसी) और अकादमिक परिषद (एसी) के चुनाव में 28 शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाएंगे। इन प्रतिनिधियों की भूमिका केवल शिक्षकों के मुद्दे उठाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे, अकादमिक नीतियों, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़े फैसलों में भी महत्वपूर्ण होगी। वहीं, ऐसे में चुनाव को शिक्षक संगठनों के बीच प्रभाव और प्रतिनिधित्व की परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है।

अकादमिक परिषद की 26 सीटों पर नजर

इस चुनाव में सबसे अधिक नजर अकादमिक परिषद की 26 सीटों पर रहेगी। इसकी वजह यहां अलग-अलग वर्गों को दिया गया प्रतिनिधित्व है। विश्वविद्यालय ने कम से कम चार विश्वविद्यालय की ओर से नियुक्त व्यक्तियों, चार महिला शिक्षकों, मेडिकल साइंस फैकल्टी से एक शिक्षक और गैर-मेडिकल फैकल्टी के प्रोफेशनल कोर्स संचालित करने वाले विभागों से एक शिक्षक का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है। इससे चुनाव में महिला शिक्षकों और विशेष संकायों की भूमिका भी अहम हो जाएगी।

दो प्रतिनिधियों का होगा चुनाव

वहीं, कार्यकारी परिषद में दो प्रतिनिधियों का चुनाव होगा। इसके लिए प्रोफेशनल जूनियर और उससे ऊपर के रैंक के शिक्षक और लाइब्रेरी स्टाफ के कर्मचारी पात्र होंगे। हालांकि, फैकल्टी के डीन, कालेजों के प्रिंसिपल और प्राक्टर इस चुनाव के दायरे से बाहर रहेंगे।

विश्वविद्यालय ने चुनाव संबंधी अधिसूचना जारी की है। दोनों निकायों की जिम्मेदारियां अलग-अलग हैं। एग्जीक्यूटिव काउंसिल प्रशासनिक और नीतिगत निर्णयों में अहम भूमिका निभाती है, जबकि अकादमिक परिषद शैक्षणिक फैसलों की प्रमुख संस्था है।

ऐसे में इन चुनावों में जीत हासिल करने वाले प्रतिनिधियों के जरिए शिक्षक विश्वविद्यालय के फैसलों में अपनी भागीदारी मजबूत कर सकेंगे। खास तौर पर नई शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम में बदलाव, परीक्षा व्यवस्था और शिक्षकों से जुड़े मुद्दों पर इनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

दिल्ली में मर्डर! प्रेग्नेंट पत्नी को पति ने मार डाला, पुलिस के सामने किया सरेंडर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद पति ने गुस्से में आकर पत्नी की हत्या कर दी। इस घटना के बाद आरोपी पति ने खुद को भी मारने की कोशिश की , लेकिन बाद में पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

पत्नी को घर वापस ले जाना चाहता था: इस घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी पति जमशेदपुर से दिल्ली अपनी पत्नी को वापस लेकर जाने आया था। इस दौरान उसकी पत्नी से बहस हो गई। बहस के दौरान पति ने अपना आपा खो दिया और दुपट्टे से पत्नी का गला घोंट दिया। इस घटना में पत्नी की मौत हो गई। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी पति ने भी अपना गला घोंटकर सुसाइड करने का प्रयास किया, लेकिन ऐसा नहीं कर सका। बाद में उसने थाने में जाकर सरेंडर कर दिया।

फ्लैट में मिला शव: घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि पत्नी की हत्या के बाद आरोपी पति किचन में पहुंचा और यहां चाकू से अपना गला काटने का प्रयास किया, लेकिन ऐसा नहीं कर सका। पुलिस के सामने सरेंडर करने के बाद उसने जानकारी दी और पुलिस तुरंत संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल पहुंची और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। अस्पताल के बाद पुलिस की एक टीम फ्लैट पर पहुंची तो देखा वहां पत्नी कोमल की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निहाल विहार में भी महिला की हत्या: इसी तरह के एक मामले में दिल्ली के निहाल विहार में भी एक शख्स ने अपनी पत्नी की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। गुरुवार को हुई इस घटना के दौरान महिला सब्जी खरीदने के लिए बाजार गई हुई थी, तभी पति ने चाकुओं से पत्नी को गोद डाला, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दोनों पति-पत्नी पिछले तीन सालों से अलग-अलग रह रहे थे।

दिल्ली पुलिस के ऑपरेशन विस्टा में 46 विदेशी नागरिक पकड़े गए, 15 को डिपोर्ट किया गया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन विस्टा के तहत एक विशेष सत्यापन अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य जिले में अवैध रूप से रह रहे या तय समय से अधिक समय तक रुके हुए विदेशी नागरिकों की पहचान करना था। 21 नवंबर को जारी पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, द्वारका जिला में चलाए गए इस अभियान के दौरान पुलिस ने 46 विदेशी नागरिकों को पकड़ा, जिनमें से 15 लोगों को जरूरी सत्यापन और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके देश वापस भेज (डिपोर्ट कर) दिया गया।

यह विशेष अभियान 20 नवंबर को द्वारका जिले के चार पुलिस थानों- बिंदापुर, उत्तम नगर, मोहन गार्डन और डाबरी क्षेत्रों में चलाया गया था। इस ऑपरेशन का मकसद उन विदेशी नागरिकों की पहचान करना और उनका सत्यापन करना था, जो कथित तौर पर इन पुलिस थानों के इलाकों में अवैध रूप से रह रहे थे या अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी रुके हुए थे। ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने सत्यापन के लिए कुल 46 विदेशी नागरिकों को पकड़ा। पकड़े गए लोगों में सबसे बड़ी संख्या नाइजीरियाई नागरिकों की थी। उनकी कुल संख्या 39 थी। बाकी सात विदेशी नागरिकों में घाना और तंजानिया से दो-दो लोग शामिल थे, जबकि कैमरून, केन्या और दक्षिण अफ्रीका से एक-एक व्यक्ति था।

20 करोड़ की साइबर ठगी का भंडाफोड़, दिल्ली पुलिस ने 5 दिन के ऑपरेशन में 22 ठगों को दबोचा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पश्चिमी जिला साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगी के खिलाफ 5 दिन तक चले अंतरराज्यीय अभियान में 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों में ठगी के लिए इस्तेमाल होने वाली एपीके फाइल और पैनल विकसित करने वाले भी शामिल हैं।

20 करोड़ की ठगी का खुलासा: यह गिरोह देशभर में 22,139 लोगों को निशाना बनाकर 20 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है। आरोपियों के तार राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की 2,080 शिकायतों से जुड़े मिले हैं। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि इसके लिए 7 विशेष टीमें गठित की गई थीं। इनमें 64 पुलिसकर्मी शामिल थे।

टीमों ने 11 से 15 नवंबर तक झारखंड के जामताड़ा, देवघर और गिरिडीह समेत बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में छापामारी की।

63 मोबाइल बरामद: वहीं, अभियान के दौरान 17 स्थानों पर कार्रवाई की गई। पुलिस



ने आरोपियों के कब्जे से 63 मोबाइल फोन, दो लैपटाप, दो मैकबुक और एक टैबलेट बरामद किया है।

पुलिस ने पिछले तीन महीने में एपीके फाइल के जरिए बैंक खाते पर नियंत्रण कर ठगी करने से जुड़ी एक हजार से अधिक शिकायतों का विश्लेषण किया था।

इस दौरान 20 से अधिक ई-एफआइआर, 56 संदिग्ध टेलीग्राम प्रोफाइल और उनसे जुड़े वाट्सएप नंबरों की भी जांच की गई। ठगी में इस्तेमाल 32 दुर्भावनापूर्ण एपीके फाइलों की फोरेंसिक जांच कर उनके नेटवर्क का पता लगाया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी मुख्य रूप से बुजुर्गों को निशाना बनाते थे। वे खुद को बैंक अधिकारी बताकर जीवन प्रमाणपत्र सत्यापन, केवाईसी अपडेट, क्रेडिट कार्ड जारी कराने और क्रेडिट लिमिट बढ़ाने के नाम पर संपर्क करते थे।

ऐसे बनाते थे शिकार: इसके अलावा बीएसईएस और आईजीएल कनेक्शन से जुड़ी सेवाओं के बहाने भी लोगों को झांसे में लेते थे। आरोपी वॉट्सएप पर बैंकिंग प्रक्रिया से जुड़ी बताकर एपीके फाइल भेजते थे। इसे डाउनलोड करते ही उन्हें पीड़ित के मोबाइल में मौजूद निजी जानकारी, बैंकिंग विवरण, एसएमएस, ओटीपी, कॉल और गैलरी तक पहुंच मिल जाती थी। इसके बाद वे बैंक खातों से रकम निकालने और क्रेडिट कार्ड की लिमिट का इस्तेमाल कर ठगी करते थे। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के बाद दिल्ली में एपीके फाइल से होने वाली ठगी की शिकायतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। दो से 10 नवंबर के बीच ऐसी 1,406 शिकायतें मिली थीं, जबकि 11 से 17 नवंबर के बीच इनकी संख्या घटकर 724 रह गई। आरोपियों के खिलाफ पश्चिमी जिला साइबर थाने में दो ई-एफआइआर दर्ज हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और एपीके फाइल वितरण नेटवर्क की जांच कर रही है।

दिल्ली पुलिस ने पकड़ा 14 साल का हैकर, 4000 अग्निवीरों का डेटा चुराया और डार्क वेब पर 500 डॉलर रखा दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने फरीदाबाद के बल्लभगढ़ से 14 साल के एक किशोर को पकड़ा है। आरोप है कि उसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स की मदद से सरकारी टेस्ट पोर्टल से करीब 4 हजार अग्निवीरों का डेटा हासिल किया और उसे डार्क वेब पर 500 अमेरिकी डॉलर (करीब 42 हजार रुपये) में बेचने का विज्ञापन डाल दिया। पुलिस अब बरामद डेटा की वास्तविकता और उसके संभावित इस्तेमाल की जांच कर रही है। साइबर अपराध की दुनिया में किशोरों की बढ़ती सक्रियता का यह मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आइएफएसओ यूनिट ने तकनीकी जांच के आधार पर किशोर को फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ से पकड़ा है। आइएफएसओ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, जिस सरकारी पोर्टल को निशाना बनाया गया, उसे पूर्व अग्निवीरों को दूसरे सरकारी विभागों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया था। यह एक टेस्ट पोर्टल था। आरोप है कि किशोर ने ढ्ढ टूल्स की मदद से पोर्टल की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाई और उसमें मौजूद जानकारियां डाउनलोड कर लीं। पुलिस के अनुसार, डेटा हासिल करने के बाद किशोर ने डार्क वेब पर उसकी बिक्री के लिए विज्ञापन डाला। इसमें दावा किया गया कि उसके पास करीब 4 हजार अग्निवीरों का निजी डेटा है। मामले की गंभीरता इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि इसमें सैन्य सेवा से जुड़े पूर्व कर्मियों की निजी जानकारी के दुरुपयोग की आशंका है। हालांकि, पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि बरामद डेटा में वास्तव में कितने अग्निवीरों की जानकारी है और उसमें कौन-कौन से विवरण मौजूद हैं। जांच के दौरान पुलिस ने किशोर के डिजिटल उपकरणों से डेटा बरामद किया है। इसकी वास्तविकता की पुष्टि के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर अग्निवीरों का आधिकारिक डेटाबेस मांगा गया है।

चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति सियासी घटनाक्रम में बड़ा मोड़

शंकरी भील व पति ने वीडियो जारी कर खारिज किए उठा ले जाने के आरोप, विकास के नाम पर भाजपा को दिया समर्थन

नवनिर्वाचित सदस्य शंकरी भील ने कहा– किसी ने जबरदस्ती नहीं की, मैं स्वस्थ व प्रसन्न हूं और अपने मन से भाजपा के साथ हूं; 14-14 की बराबरी के बाद पलटा सियासी समीकरण, विधायक समर्थकों ने बताया सच्चाई की जीत

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति के चुनाव परिणामों के बाद शुरू हुआ सियासी घटनाक्रम अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। कुल 29 वार्डों वाली चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति में भाजपा और कांग्रेस के 14-14 सीटों पर जीतने के बाद 1 सीट जीतने वाली आरएलपी प्रत्याशी शंकरी भील को लेकर उठ रहे विवादों पर खुद शंकरी भील और उनके पति ने वीडियो जारी कर स्थिति स्पष्ट कर दी है। जारी वीडियो में शंकरी भील ने उन्हें जबरन उठा ले जाने के



आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए अपनी स्वेच्छा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को समर्थन देने की बात कही है।

वीडियो में शंकरी भील बोलीं– मैं स्वस्थ व प्रसन्न हूं, विकास के लिए भाजपा के साथ

नवनिर्वाचित सदस्य शंकरी भील और उनके पति द्वारा जारी वीडियो संदेश में स्पष्ट किया गया है कि उन्हें न तो किसी ने जबरदस्ती उठाया है और न ही उनके साथ किसी तरह की जोर-जबर्दस्ती हुई है। वीडियो में शंकरी भील ने कहा कि वे जहां भी हैं, पूरी तरह स्वस्थ और प्रसन्न हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे अपने मन से भाजपा को समर्थन दे रही हैं, क्योंकि क्षेत्र के विकास के लिए यह जरूरी है और विकास के नाम पर ही भाजपा को समर्थन मिला है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत भीलों का झोपड़ा/शादी-पाल निवासी 35 वर्षीय शंकरी भील ने वार्ड संख्या 24 से 1,674 मत प्राप्त कर भाजपा प्रत्याशी अंजली जाट (882 मत) को 792 मतों से हराया था। इससे पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर चित्तौड़गढ़ विधायक और उनके समर्थकों पर उन्हें जबरन बाड़ेबंदी में ले जाने के आरोप लगाए गए थे। अब स्वयं शंकरी भील और उनके पति के बयान सामने आने के बाद उन आरोपों की हवा निकल गई है, जिन्हें विधायक समर्थकों ने शुरू से ही सियासी दबाव व भ्रामक प्रचार करार दिया था।

चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति घटनाक्रम : ताजा अपडेट

शंकरी भील का वीडियो बयान: न किसी ने उठाया और न जबरदस्ती की; मैं स्वस्थ व प्रसन्न हूं और विकास के लिए स्वेच्छा से भाजपा को समर्थन दे रही हूं।

पंचायत समिति का गणित (29 वार्ड): भाजपा - 14 7 कांग्रेस - 14 7 आरएलपी - 01।

वार्ड 24 का नतीजा: शंकरी भील (1,674 मत) ने अंजली जाट (882 मत) को 792 मतों से पराजित किया था।

धरने की घोषणा: आरएलपी की ओर से सोमवार सुबह 11 बजे चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर धरना देने की सूचना सोशल मीडिया पर जारी की गई है।

सोमवार के धरने की घोषणा के बीच बदला सियासी गणित

सोशल मीडिया पर आरएलपी से जुड़े अजय जाट द्वारा पार्टी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के निर्देश पर सोमवार सुबह 11 बजे चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन करने की जानकारी साझा की गई थी। लेकिन शंकरी भील और उनके पति के वीडियो सामने आने के बाद पंचायत समिति में प्रधान पद के समीकरणों को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। विधायक समर्थकों का कहना है कि विकास और सुशासन की सोच के साथ भाजपा को मिल रहा समर्थन क्षेत्र के हित में है। अब सभी की निगाहें सोमवार के घटनाक्रम और आगामी प्रधान चुनाव पर टिकी हैं।

भाजपा नेताओं ने खबर के बाद रुचि लेकर किया 36 घंटे बाद किया समाधान

अधिकारियों का आमजन की समस्याओं के समाधान से परहेज

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़ । नगर पालिका क्षेत्र के नई आबादी में पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के 3 दिन पूर्व समाचार प्रसारित होने के बाद भाजपा नेताओं ने रुचि दिखाते हुए 36 घंटे बाद समाधान करवा रविवार को नियमित आपूर्ति करवाई है। लेकिन उपखंड के अधिकारी आमजन की समस्याओं के समाधान में रुचि लेने से परहेज करते नजर आ रहे हैं। मांडलगढ़ नगर पालिका क्षेत्र में तीन दिन से नई आबादी मेहनेम स्कूल गली में पेयजलापूर्ति लाइन क्षतिग्रस्त होने के 20 नवम्बर को प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किए गए थे। इसके बाद नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता डांगी, पार्षद नीलकमल पटवा के रुचि दिखाते हुए शनिवार को पाईप लाईन दुरुस्त करवा रविवार को सुचारू पेयजल आपूर्ति करवाई है। मांडलगढ़ उपखंड के विभागीय अधिकारियों की आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान से परहेज करना भाजपा सरकार की मंशाओं पर पानी फेरता नजर आ रहा है। भाजपा नेताओं को सरकार की पेठ बनाए रखने के लिए अधिकारियों को समय पर सजगता से आमजन के कार्य करने के प्रति कठोरता लाने के प्रति पाबन्द करना आवश्यक है। अन्यथा हालही के परिणाम राज्यभर में सभी के सामने है।



लक्ष्मण भील के परिवार को ग्रामीणों ने दी 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

स्मार्ट हलचल



@आसींद क्षेत्र की ग्राम पंचायत करजालिया के बालापुरा गांव में ग्रामीणों एवं युवा संगठन ने एकजुटता और मानवता की मिसाल पेश करते हुए लक्ष्मण भाई भील के परिवार को ?10,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए एक छोटी-सी अपील की गई थी। इस अपील पर ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामवासियों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया और सामूहिक प्रयासों से 10 हजार रुपये की सहायता राशि एकत्रित कर परिवार को सौंपी। इस नेक पहल के लिए सभी दानदाताओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। ग्रामीणों का यह सहयोग सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और मानवता की भावना को दर्शाता है। इस दौरान दिनेश मेघवंशी, वार्ड पंच प्रकाश रेगर, रतन मेघवंशी, देवी लाल भील घनश्याम मेघवंशी सहित अन्य ग्रामीण एवं युवा संगठन के सदस्य मौजूद रहे।

युवक की पीठ में ढाई इंच तक चाकू घोंपने का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग भी निरुद्ध,

पुरानी रंजिश के चलते दिया था वारदात को अंजाम-घटना के बाद साथियों के साथ फरार हो गया था मुख्य आरोपी

स्मार्ट हलचल



टोंक। टोंक जिला मुख्यालय के पुरानी टोंक थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में टोंक पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने वारदात के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं एक अन्य विधि से संघर्षरत नाबालिग को भी निरुद्ध किया है। पुलिस की गठित टीम मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। जिला पुलिस अधीक्षक टोंक रोशन मीना (आईपीएस) ने बताया कि बुधवार शाम करीब 5 बजे कैप्टन कॉलोनी निवासी शैतान (20) पुत्र रामलाल कीर पैदल अपने घर से बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान दो-तीन आरोपियों ने पीछे से उस पर हमला कर दिया। हमले के दौरान एक आरोपी ने युवक की पीठ में चाकू घोंप दिया, जो करीब ढाई इंच तक अंदर चला गया। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी पुरानी टोंक थाना क्षेत्र निवासी राजवीर उर्फ चूच्या गुर्जर अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की और कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है।

घटना के बाद जयपुर-कोटा फोरलेन पर लगा था जाम

घटना के बाद आक्रोशित परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जयपुर-कोटा फोरलेन पर जाम लगा दिया था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश कर लोगों को सड़क से हटाया, जिसके बाद यातायात सुचारू करवाया गया। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी। अब मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और एक नाबालिग को निरुद्ध किए जाने के बाद पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

खजूरी पंचायत समिति में प्रधान की कुर्सी का काउंटडाउन शुरू, नवनिर्वाचित सदस्यों को बैठक के नोटिस जारी

20 नवंबर को रिटर्निंग अधिकारी ने जारी किए आदेश, 22 नवंबर शाम 5 बजे तक नोटिस तामील करवाने के निर्देश; अब प्रधान और उपप्रधान के चुनाव पर टिकी निगाहें



स्मार्ट हलचल/अलकेश पारीक

जहाजपुर खजूरी। पंचायत राज आम चुनाव 2026 की मतगणना पूरी होने के साथ ही अब खजूरी पंचायत समिति में प्रधान एवं उपप्रधान के निर्वाचन की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। पंचायत समिति की सत्ता किसके हाथों में होगी और प्रधान की कुर्सी पर कौन काबिज होगा, इसे लेकर राजनीतिक हलचल तेज होने लगी है। इसी बीच रिटर्निंग अधिकारी (सहायक कलेक्टर जहाजपुर) की ओर से 20 नवंबर 2026 को प्रधान एवं उपप्रधान के निर्वाचन को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार पंचायत समिति खजूरी के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 01 से 15 तक के नवनिर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों को प्रथम बैठक का नोटिस जारी किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी ने तहसीलदार जहाजपुर को निर्देशित किया है कि सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को नियमानुसार नोटिस तामील करवाए जाएं। साथ ही पंचायत समिति एवं समस्त ग्राम पंचायतों के नोटिस बोर्ड पर भी नोटिस चस्पा करवाकर इसकी पालना सुनिश्चित की जाए। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि 22 नवंबर 2026 को शाम 5 बजे तक सभी नोटिस तामील करवाकर इसकी पूर्ण जानकारी रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध करवाई जाए।

अब प्रधान पद को लेकर बढ़ेगी राजनीतिक सरगर्मी

मतगणना के बाद अब खजूरी पंचायत समिति में प्रधान एवं उपप्रधान के निर्वाचन को लेकर राजनीतिक समीकरणों पर सबकी नजरें टिकी हैं। नवनिर्वाचित सदस्यों की भूमिका इस चुनाव में अहम रहने वाली है। प्रशासनिक स्तर पर निर्वाचन की तैयारियां शुरू होने के साथ ही अब क्षेत्रवासियों को उस दिन का इंतजार है, जब खजूरी पंचायत समिति को नया प्रधान मिलेगा और सत्ता की तस्वीर पूरी तरह साफ होगी।

गिरोह के भंडाफोड़ में कानपुर में लुटेरी दुल्हन समेत आधा दर्जन गिरफ्तार, 5 अन्य की तलाश में छापे

चौथे युवक को शिकार बनाने के पहले ही गोद लेने वाले मां-बाप, सगी मां, मौसी और मौसा गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल



कानपुर। जिले में एक ऐसा विरोध सक्रिय है जो भोले भाले युवकों को फंसा शादी करवाता है और फिर दुल्हन बनने वाली युवती लाखों की नगदी जेवरात आदि लेकर रफू चक्कर हो जाती है। पकड़ी गई लुटेरी दुल्हन अब तक तीन युवकों को शिकार बन चुकी हैइसके पहले कि वह चौथे युवक को भी अपना शिकार बनाने में सफल होती पुलिस ने उसे दबोच लिया। मिली जानकारी के मुताबिक तीसरी शादी कर 16 लाख के जेवरात और कैश लेकर फरार होने वाली लुटेरी दुल्हन प्रगति विश्वकर्मा चौथे युवक को शिकार बनाने की तैयारी में थी, जिसके साथ वह लिवइन रिलेशनशिप में रह रही थी। वह पुलिस के हत्थे तब चढ़ी ज्ब मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस उसकी लोकेशन तलाशते हुए उसके ठिकाने पर पहुंची, जहां वह एक युवक के साथ मिली। पूछताछ में युवक ने बताया कि प्रगति करीब चार महीने से उसके साथ लिव-इन में रह रही थी। दोनों जल्द ही शादी करने की प्लानिंग में थे। मतलब यह युवक उसका चौथा शिकार होने वाला था। इसबीच गिरफ्त में आने के बाद पुलिस ने प्रगति के मोबाइल की जांच की तो उसके मोबाइल से तीनों पतियों की फोटो मिली, जिनको उसने अपना शिकार बनाया था। जिसके बाद बर्रा पुलिस ने जूही लाल कालोनी निवासी लुटेरी दुल्हन प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा और अर्रा केडीए कालोनी में रहने वाली सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से अशोक और सीमा रिश्ते में प्रगति के मौसा-मौसी भी हैं। फिलहाल अब पुलिस फरार उसकी एक अन्य मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा अ दोनों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार ब्लाक विश्व बैंक निवासी आटो सर्वेयर विशाल विश्वकर्मा की शादी 18 मई 2025 को जूही लाल कालोनी निवासी प्रगति से गोविंद नगर के करन बैंक्वेट हाल में हुई थी। विशाल का आरोप है कि शादी के एक महीने बाद ही 18 जून 2026 को प्रगति करीब 15 लाख रुपये के जेवर और एक लाख रुपये लेकर मायके चली गई। काफी तलाश और छानबीन के बाद उसे पता चला कि प्रगति पहले भी दो शादियां कर चुकी है और इसकी जानकारी उससे छिपाई गई। प्रगति की पहली शादी 20 मार्च 2017 को जूही के बारादेवी निवासी सोनू विश्वकर्मा से हुई थी। इसके बाद 23 जून 2017 को उसने इटावा निवासी सुमित बाथम से दूसरी शादी कर ली। घटना में पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापे मार रही है।

गंगापुर में बुलेट के पटाखा शोर पर पुलिस का शिकंजा, सात मोटरसाइकिलें जब्त

(DSP सुदर्शन पालीवाल के निर्देश पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चौकी प्रभारी गोपाल सिंह के नेतृत्व में दी दबिश)

स्मार्ट हलचल



गंगापुर शहर की सड़कों पर तेज आवाज में पटाखे जैसी गूंज पैदा करने वाली बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। बुलेट मोटरसाइकिलों में प्रतिबंधित पटाखा साइलेंसर लगाकर शहर में ध्वनि प्रदूषण फैलाने और आमजन को परेशान करने वाले बाइक चालकों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।पुलिस उप अधीक्षक (DSP) सुदर्शन पालीवाल के निर्देश पर गंगापुर पुलिस ने विशेष कार्रवाई करते हुए पटाखा साइलेंसर लगी सात बुलेट मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। यह कार्रवाई चौकी प्रभारी गोपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से शहर के विभिन्न मार्गों और प्रमुख चौराहों पर कुछ बुलेट मोटरसाइकिल चालक तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल कर रहे थे। इन मोटरसाइकिलों से निकलने वाली पटाखों जैसी तेज आवाज से राहगीरों, व्यापारियों, वाहन चालकों और आम नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से बाजार क्षेत्रों और रिहायशी इलाकों में अचानक होने वाले तेज धमाकों से लोग परेशान थे। आमजन की परेशानी और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने इस पर गंभीरता दिखाई और DSP सुदर्शन पालीवाल के निर्देश पर कार्रवाई को अंजाम दिया। चौकी प्रभारी गोपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश देकर सात ऐसी बुलेट मोटरसाइकिलों को जब्त किया, जिनमें पटाखा साइलेंसर लगे हुए थे।

पुलिस कार्रवाई से बाइक चालकों में मचा हड़कंप

एक साथ सात मोटरसाइकिलें जब्त होने के बाद नियमों की अनदेखी करने वाले बाइक चालकों में हड़कंप मच गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से शहरवासियों में भी सकारात्मक संदेश गया है। आमजन का मानना है कि तेज आवाज वाले साइलेंसर के खिलाफ ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहनी चाहिए, ताकि शहर की सड़कों पर शांति और यातायात अनुशासन बना रहे।

नियम तोड़ने वालों को पुलिस की सख्त चेतावनी

पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट संकेत मिल गया है कि शहर में यातायात नियमों और ध्वनि प्रदूषण संबंधी प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का उद्देश्य शहर में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना और आम नागरिकों को अनावश्यक शोर-शराबे से राहत दिलाना है।

बूढ़ादीत के बनेठिया गांव में तलाई निर्माण कार्य पर उठे सवाल, घटिया निर्माण और अवैध बजरी के इस्तेमाल के आरोप



मरम्मत के नाम पर की जा रही लीपापोती, सुरक्षा दीवार निर्माण में भी मानकों की अनदेखी का आरोप; निर्माण स्थल पर 20 से 25 ट्रॉली बजरी का स्टॉक होने की चर्चा

स्मार्ट हलचल

बूढ़ादीत। बूढ़ादीत क्षेत्र के बनेठिया गांव में जल संसाधन विभाग के माध्यम से करवाए जा रहे तलाई निर्माण कार्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं और घटिया सामग्री के इस्तेमाल को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। आरोप है कि ठेकेदार द्वारा मरम्मत कार्य के नाम पर केवल लीपापोती की जा रही है, वहीं निर्माण में मिट्टी युक्त काली बजरी का उपयोग किया जा रहा है, जो निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों के अनुसार, तलाई की सुरक्षा दीवार के निर्माण में भी निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया गया है। आरोप है कि दीवार निर्माण में गुणवत्ता और मजबूती को लेकर लापरवाही बरती गई है। वहीं तलाई निर्माण कार्य के दौरान निकली मिट्टी को कथित रूप से अवैध तरीके से बेचे जाने की बात भी सामने आ रही है। मामले में एक और गंभीर आरोप यह है कि निर्माण स्थल पर करीब 20 से 25 ट्रॉली बजरी का स्टॉक रखा हुआ है। बजरी की गुणवत्ता और उसके वैध स्रोत को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। यदि निर्माण कार्य में वास्तव में अवैध रूप से लाई गई मिट्टी युक्त बजरी का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो यह सरकारी धन और निर्माण की गुणवत्ता दोनों के लिहाज से गंभीर जांच का विषय है।

प्रशासन से जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग के उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है। साथ ही निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही बजरी की गुणवत्ता की तकनीकी जांच, सुरक्षा दीवार की मापदंडों के अनुसार जांच, मिट्टी की बिक्री और बजरी के स्टॉक की वैधता की पड़ताल करवाने की मांग उठाई है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग और प्रशासन इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और मौके पर जांच करवाकर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध क्या कार्रवाई करते हैं। सरकारी निर्माण कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

पंचायतीराज संस्थाओं का कार्यकाल 5 वर्ष ही रहेगा-3 साल करने की चर्चाओं पर विराम,

राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया स्पष्ट आदेश, सरपंच से लेकर जिला प्रमुख तक का कार्यकाल यथावत रखने के निर्देश...

स्मार्ट हलचल



जयपुर/टोंक। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के कार्यकाल को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच राज्य निर्वाचन आयोग ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। आयोग ने 21 नवंबर 2026 को जारी कार्यालय आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रदेश की समस्त पंचायतीराज संस्थाओं एवं उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल पूर्व की भांति पांच वर्ष ही रहेगा। कार्यकाल को घटाकर तीन वर्ष किए जाने संबंधी किसी भी प्रकार का संशोधन अथवा परिवर्तन नहीं किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों (जिला कलेक्टर), पंचायतीराज संस्थाओं एवं आमजन को यह स्पष्ट किया गया है कि पंचायतों के कार्यकाल में कटौती संबंधी प्रसारित हो रही खबरों के संबंध में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट है।

सरपंच से जिला प्रमुख तक पांच साल का कार्यकाल

राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार राजस्थान की समस्त पंचायतीराज संस्थाओं और उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल पूर्व की भांति पांच वर्ष ही रहेगा। इसमें सरपंच, वार्ड पंच, प्रधान, जिला प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्यों का निर्धारित कार्यकाल यथावत रखा गया है।

अधिनियम में नहीं हुआ कोई बदलाव

राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि राजस्थान पंचायती राज अधिनियम के अंतर्गत निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के निर्धारित कार्यकाल में कोई संशोधन अथवा परिवर्तन नहीं किया गया है। ऐसे में कार्यकाल तीन वर्ष किए जाने की चर्चाओं को लेकर जारी आदेश ने स्थिति स्पष्ट कर दी है।

संविधान के अनुच्छेद 243ध का दिया हवाला

आयोग ने अपने आदेश में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243ध का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल उसके प्रथम अधिवेशन (पहली बैठक) के लिए नियत तारीख से पांच वर्ष तक निर्धारित है। इसे राज्य स्तर के किसी सामान्य प्रशासनिक आदेश से घटाकर तीन वर्ष नहीं किया जा सकता। आदेश के अंत में समस्त संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को इसकी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश की प्रतिलिपि आवश्यक कार्रवाई एवं सूचना के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त के निजी सचिव, समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों (जिला कलेक्टर) तथा निदेशक, पंचायतीराज विभाग राजस्थान, जयपुर को भी भेजी गई है।

वर्धमान जैन पर जानलेवा हमले से उबला जैन समाज, मालवीय नगर थाने पर उमड़ा हुजूम!

गिरफ्तारी की मांग को लेकर सैकड़ों लोगों का पैदल मार्च कर प्रदर्शन, पुलिस को दिया अल्टीमेटम; बोले-आखिर आरोपी को किसका संरक्षण

स्मार्ट हलचल/महेन्द्र नागौरी

जयपुर / भीलवाड़ा युवक वर्धमान जैन पर कथित जानलेवा हमले और आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से जैन समाज का आक्रोश सड़कों पर उतर आया। रविवार को जैन समाज के सैकड़ों लोगों ने जैन शक्ति संगठन के संयोजक एडवोकेट पूनम चन्द भंडारी और लोकेश बापना के नेतृत्व में शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला और मालवीय नगर थाने पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी सोमेश्वर गुप्ता को तत्काल गिरफ्तार करने और मामले में हत्या के प्रयास से संबंधित धारा 109 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) जोड़ने की मांग उठाई। थाने पर प्रदर्शन के दौरान समाज के लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए।



उनका आरोप था कि घटना के बावजूद आरोपी अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है और गंभीर रूप से घायल युवक को न्याय दिलाने के लिए परिवार को लगातार थाने के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। थानाधिकारी प्रधान ने उच्च अधिकारियों से वार्ता कर उनके निर्देशानुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

कुत्ते पर पत्थर मारने से शुरू हुआ विवाद, युवक की तोड़ दी नाक

जैन समाज के प्रतिनिधियों के अनुसार, घटना 4 नवंबर 2026 की रात करीब 11:30 बजे मालवीय नगर स्थित नागर रेजिडेंसी की है। आरोप है कि वहां रहने वाले सोमेश्वर गुप्ता ने वर्धमान जैन के कुत्ते पर पत्थर फेंके। वर्धमान ने इसका विरोध किया तो आरोपी कथित रूप से आपा खो बैठा और युवक पर हमला कर दिया। उसे जमीन पर पटककर लातों से बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी नाक की हड्डियां टूट गईं और नाक से भारी रक्तस्राव होने लगा। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले विधि छात्र सोमानी ने युवक को बचाया। परिजनों का आरोप है कि यदि सोमानी मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव नहीं करते तो आरोपी युवक की जान भी ले सकता था।

तीन अस्पतालों में चला इलाज, हालत इतनी गंभीर कि बोलना भी मुश्किल

हमले में गंभीर रूप से घायल वर्धमान को पहले रूंगटा अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर उसे अपेक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इसके बाद अगले दिन जयपुरिया अस्पताल में उपचार चला, जहां वह 8 नवंबर तक भर्ती रहा। परिजनों के अनुसार, उसकी हालत इतनी खराब थी कि वह ठीक से बोलने की स्थिति में भी नहीं था।

पुलिस पर गंभीर आरोप, काउंटर रिपोर्ट दर्ज करने पर भी उठे सवाल

वर्धमान के पिता मंजुल जैन ने घटना की रात ही पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जैन समाज के प्रतिनिधियों का आरोप है कि हमले की गंभीरता के बावजूद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत कार्रवाई नहीं की। इतना ही नहीं, आरोपी पक्ष की ओर से काउंटर रिपोर्ट दर्ज करने को लेकर भी पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि गंभीर रूप से घायल युवक के मामले में निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय आरोपी को राहत दी जा रही है।

20 नवंबर को दी थी चेतावनी, 22 नवंबर को थाने पहुंचा समाज

जैन शक्ति संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने संयोजक एडवोकेट पूनम चन्द भंडारी और लोकेश बापना के नेतृत्व में 20 नवंबर की रात थानाधिकारी से मुलाकात कर पूरे मामले में विस्तार से चर्चा की थी। प्रतिनिधिमंडल ने 21 नवंबर तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके बाद 22 नवंबर को सुबह 11 बजे मालवीय नगर के निवासियों और जैन समाज के सैकड़ों लोगों ने थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया।

समाज का सवाल–गंभीर हमले के बाद भी गिरफ्तारी क्यों नहीं?

प्रदर्शन के दौरान समाज में जबरदस्त आक्रोश नजर आया। लोगों का कहना था कि एक युवक पर इस तरह बेरहमी से हमला होने के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। प्रदर्शनकारियों ने निष्पक्ष जांच, उचित धाराओं में कार्रवाई और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। अब पुलिस के आश्वासन के बाद समाज की नजर कार्रवाई पर टिकी है।

जोजवा गांव में गाय पर कुल्हाड़ी से हमला, शरीर में फंसी मिली कुल्हाड़ी

घटना से ग्रामीणों में आक्रोश

स्मार्ट हलचल



मांडलगढ़ । मांडलगढ़ क्षेत्र के जोजवा गांव में एक बेजुबान गाय पर कुल्हाड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुल्हाड़ी गाय के शरीर में ही फंस गई। घटना के बाद गांव में दुख और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, गाय पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया। चिकित्सक ने गाय का उपचार कर उसके घाव पर टांके लगाए।

बार-बार ऐसी घटनाएं होना गांव के लिए शर्मनाक

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जोजवा गांव में इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। हर एक-दो महीने में बेजुबान पशुओं के साथ क्रूरता की घटना सामने आने के बावजूद अब तक ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस सामूहिक कदम नजर नहीं आया है।

कैलाश मीणा की जीत की मन्नत पूरी होने पर कार्यकर्ताओं ने की जोगणिया माताजी की पैदल यात्रा, पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय ने किया स्वागत



स्मार्ट हलचल

सलावटिया जिला परिषद के वार्ड संख्या 44 से कैलाश मीणा के सदस्य पद पर विजयी होने पर समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल रहा। चुनाव में जीत की मन्नत पूरी होने पर विजय राम बंजारा कांटबड़ा, विक्रम बंजारा चम्पापुर, दुर्गालाल मीणा राणा जी का गुड़ा सहित कई कार्यकर्ता जोगणिया माताजी के दरबार में पैदल यात्रा कर दर्शन करने पहुंचे। पैदल यात्रा पूरी कर लौटने पर पूर्व प्रधान गोपालजी मालवीय ने सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए उनके उत्साह और समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। सभी ने जोगणिया माताजी के प्रति आस्था प्रकट करते हुए क्षेत्र की खुशहाली एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अरिहंत क्रिकेट क्लब का सपरिवार दीपावली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास से संपन्न



आतिशबाजी और मनोरंजक गतिविधियों के बीच आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा अरिहंत क्रिकेट क्लब की ओर से प्रतिवर्ष की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी सपरिवार दीपावली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। समारोह में क्लब के सभी सदस्यों ने अपने परिवार सहित उत्साहपूर्वक भाग लिया और दीपावली पर्व की खुशियां आपस में साझा कीं। क्लब प्रवक्ता राकेश बाबेल ने बताया कि स्नेह मिलन समारोह का आयोजन ईरास स्थित मोनिशा फार्म हाउस में किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों एवं उनके परिजनों ने सामूहिक रूप से स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। वहीं, रंग-बिरंगी आतिशबाजी के बीच दीपावली पर्व की खुशियां मनाई गईं। पारिवारिक माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम ने सभी सदस्यों को आपसी मेल-मिलाप, आत्मीयता और सौहार्द के साथ समय बिताने का अवसर प्रदान किया। समारोह के दौरान सदस्यों ने आपसी विचार-विमर्श करते हुए क्लब की अब तक की गतिविधियों की समीक्षा की तथा आगामी वर्ष में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों, खेल गतिविधियों और सामाजिक कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की। सभी सदस्यों ने क्लब की एकजुटता, सक्रियता और पारिवारिक सहभागिता को निरंतर बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने मोनिशा फार्म हाउस में ही रात्रि विश्राम किया। अगले दिन भी आपसी मेल-मिलाप और सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच इस यादगार आयोजन का समापन हुआ।

धीरज चंदेल सर्वसम्मति से बने अंबेडकर विचार मंच गंगापुर के नए अध्यक्ष...

स्वास्थ्य कारणों से ओमप्रकाश चंदेल ने दिया अध्यक्ष पद से इस्तीफा, नई जिम्मेदारी धीरज चंदेल को सौंपी

स्मार्ट हलचल



गंगापुर अंबेडकर विचार मंच गंगापुर के अध्यक्ष ओमप्रकाश चंदेल ने स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के बाद मंच की बैठक में सर्वसम्मति से धीरज चंदेल को अंबेडकर विचार मंच गंगापुर का नया अध्यक्ष चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष धीरज चंदेल ने सभी सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'आप सभी ने मुझ पर जो विश्वास जताया और अंबेडकर विचार मंच गंगापुर के अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए मैं हृदय की गहराइयों से आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। यह पद मेरे लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अधूरे सपनों को पूरा करने की दिशा में एक संकल्प है।' उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज को 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मूल मंत्र दिया था, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। मंच के माध्यम से बाबा साहब के विचारों, सामाजिक समानता, शिक्षा, जागरूकता एवं समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश चंदेल, पार्षद कृष्ण गोपाल जयनगर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष शिवलाल जीनगर, पूर्व मंच अध्यक्ष जगदीश जीनगर, एडवोकेट मदन जीनगर, केवल जीनगर, भंवर लाल राव, संजय जीनगर सहित अंबेडकर विचार मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में नवनियुक्त अध्यक्ष धीरज चंदेल को शुभकामनाएं देते हुए मंच के कार्यों को नई ऊर्जा एवं एकजुटता के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया गया।

रोशनी से जगमगाएगा गुरुद्वारा, गूंजेगी गुरबाणी 24 को मनेगा गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व

हजारों श्रद्धालु होंगे शामिल, दिनभर सजेगा कीर्तन दीवान और अटूट लंगर की होगी सेवा

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा सिख पंथ के संस्थापक गुरु नानक देव महाराज का 557वां प्रकाश पर्व 24 नवंबर, मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। गुरुद्वारा परिसर आकर्षक रोशनी से जगमगाएगा और गुरबाणी कीर्तन से संगत निहाल होगी। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सचिव ऋषिपाल सिंह ने बताया कि प्रकाश पर्व की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। श्री अखंड पाठ साहिब की आरंभता के साथ संगत ने सेवा कार्यों में उत्साह से भाग लिया। महिलाओं और बच्चों ने भी सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खालसा सेवा संस्थान की ओर से गुरु गोबिंद सिंह चौराहे पर सफाई और लाइटिंग की व्यवस्था की गई। बच्चों की गुरमत प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। गुरुद्वारा अध्यक्ष इन्द्रपाल सिंह सोनी ने बताया कि दिल्ली से भाई बलहार सिंह जी एवं साथी विशेष रूप से पहुंचेंगे और गुरबाणी कीर्तन से संगत को निहाल करेंगे। प्रकाश पर्व पर सुबह 5.30 बजे कीर्तन दीवान, 8.30 बजे अखंड पाठ साहिब की समाप्ति और अरदास होगी। सुबह 10 बजे दूसरे दीवान में ज्ञानी करनैल सिंह, सुखबीर सिंह सहित रागी जत्थे कीर्तन करेंगे। दोपहर 1.30 बजे अरदास के बाद गुरु का अटूट लंगर बरतेगा। शाम 7.30 से रात 9.30 बजे तक विशेष कीर्तन दीवान सजेगा। गुरप्रीत सिंह ने बताया कि प्रकाश पर्व पर हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सर्वसमाज के लिए गुरु के लंगर की व्यवस्था रहेगी। कमेटी ने सभी धर्मावलंबियों से प्रकाश पर्व में शामिल होने और घरों में दीपमालिका व रोशनी कर खुशियां मनाने की अपील की है।

डग ब्लॉक के 154 बूथों पर हुआ पोलियो अभियान, छूटे बच्चों को घर जाकर पिलाएंगे दवा

स्मार्ट हलचल



चौमहला राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को चौमहला कस्बे में 22 बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गई। कस्बे के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर बूथ स्थापित कर बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार बाघेला ने बताया कि डग ब्लॉक में अभियान के तहत कुल 154 बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। रविवार को बूथों पर दवा पिलाने के बाद सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पोलियो की खुराक से वंचित बच्चों को दवा पिलाएंगी, ताकि अभियान के तहत कोई भी बच्चा पोलियोरोधी खुराक लेने से वंचित नहीं रहे। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं और स्वास्थ्य विभाग की टीमों का सहयोग करें।

शाहपुरा में पल्स पोलियो अभियान का आगाज, नौनिहालों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की



तीन दिवसीय अभियान के तहत 5 वर्ष तक के बच्चों को घर-घर जाकर भी पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की शुरुआत रविवार को शाहपुरा के कोठार मोहल्ला स्थित पटवार भवन में की गई। सुबह 9 बजे शुरू हुए अभियान में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद खुराक पिलाई गई। राजकीय जिला चिकित्सालय के पीएमओ डॉ. अशोक जैन के निर्देश पर आयोजित अभियान के संबंध में मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज डॉ. मनीषा ने बताया कि 22 से 24 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान में अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पहले दिन बूथ पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी, जबकि अगले दो दिनों तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को खुराक पिलाएंगी, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मी हीरा बानो कायमखानी, ललिता भील, रचना मीणा एवं शुभांशु लोठ ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे अपने 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी, स्कूल या पोलियो बूथ पर ले जाकर निःशुल्क पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं।

तीन करोड़ रुपए की स्मैक के साथ झालावाड़ का युवक गिरफ्तार, टोंक में सप्लाई से पहले पुलिस ने दबोचा,

डीएसटी और घाड़ थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 1 किलो 475 ग्राम स्मैक बरामद आरोपी चार दिन के पुलिस रिमांड पर; टोंक के सुनील और नरेंद्र को देनी थी खेप

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना (आईपीएस) के निर्देशानुसार नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत टोंक की दूनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब तीन करोड़ रुपए कीमत की स्मैक की खेप के साथ झालावाड़ जिले के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी टोंक शहर में स्मैक की सप्लाई करने से पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 475 ग्राम स्मैक, एक मोबाइल फोन और 1160 रुपए नकद बरामद किए हैं। पुलिस ने



आरोपी को न्यायालय में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना (आईपीएस) ने बताया कि आरोपी बंथली रोड पर सरोली मोड़ के पास से स्मैक लेकर गुजर रहा था। इसी दौरान डीएसटी और घाड़ थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो 475 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने बरामद स्मैक की बाजार कीमत करीब तीन करोड़ रुपए आंकी है। एसपी के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी स्मैक की यह खेप टोंक शहर में सुनील और नरेंद्र नाम के व्यक्ति को सप्लाई करने के लिए लाया था। लेकिन सप्लाई से पहले ही पुलिस को इसकी भनक लग गई, जिसके बाद सरोली मोड़ पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस की टीमें अब सुनील और नरेंद्र की तलाश में दबिश दे रही हैं। साथ ही आरोपी से स्मैक के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और अन्य तस्करों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

आरोपी के विरुद्ध पहले से दर्ज हैं 10 मामले

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से 10 मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस उसके पुराने आपराधिक संपर्कों और नशे के कारोबार में उसकी भूमिका की भी पड़ताल कर रही है। चार दिन के पुलिस रिमांड के दौरान तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

नशा मुक्त टोंक अभियान के तहत कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक रोशन मीना ने बताया कि नशा मुक्त टोंक अभियान के तहत 21 नवंबर को यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेंद्र सिंह के निर्देशन एवं देवली वृत्ताधिकारी मदनलाल के सुपरविजन में डीएसटी और घाड़ थाना पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमेश पुत्र भंवरलाल तंवर राजपूत निवासी पाल खंडा, थाना घाटोली, जिला झालावाड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने घाड़ थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

काछोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पल्स पोलियो अभियान, नौनिहालों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की दवा

0 से 5 वर्ष के 2346 बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

स्मार्ट हलचल



काछोला 22 नवंबर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तहत राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काछोला में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा का शुभारंभ चिकित्सा प्रभारी डॉ रितेश चौधरी, एएनएम सुमित्रा तिवाड़ी सहित बूथ सदस्यों ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने नन्हे बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' पिलाकर पोलियो से बचाव का संदेश दिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा केंद्र पर आने वाले अभिभावकों को पोलियो की बीमारी,टीकाकरण के महत्व और बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पहुंचे। चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ रितेश चौधरी ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान का उद्देश्य देश को पोलियो मुक्त बनाए रखना है। इसके लिए प्रत्येक 0 से 5 वर्ष तक के पात्र बच्चे को पोलियो की दवा पिलाना जरूरी है। सुमित्रा तिवाड़ी ने बताया कि काछोला,राजगढ़, थलकला, सरथला, नाहरगढ़ के 21 पोलियो बूथ के 58 वैक्सीनेटर्स ने प्रथम दिन बूथ पर स्तर पर 2346 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई और अब दूसरे और तीसरे दिन डोर टू डोर जाकर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की दो बूंद खुराक पिलायेंगे। अभियान का डब्ल्यूएचओ सुपरवाइजर रतन लाल रेगर बूथों का निरीक्षण किया।अभियान में काछोला सेक्टर में 58 वैक्सीनेटर्स को अभियान मे नियुक्ति दी।जिसमे तीन सुपरवाइजर राजगढ़ सुपरवाइजर सीएचओ चांदमल रेगर, काछोला महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुमित्रा तिवाड़ी, थलकलां -सरथला सुपरवाइजर सुषमा सरण और समस्त आशा सहयोगिनी,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ,एनजीओ ने 21 बूथ बनाकर टीमो के रूप में सहयोग कर पोलियो अभियान में भाग लिया।

इतिहास की ढाल से राजनीति की बिसात तक.....



विशेष राजनीतिक रिपोर्ट
– आकाश शर्मा

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ की धरती और त्याग-बलिदान की कथाएं जब भी लिखी जाती हैं, अरावली की वादियों में गूंजता भील समुदाय का स्वाभिमान अनायास ही जीवंत हो उठता है। कभी राणा पूंजा भील और उनके जांबाज योद्धाओं ने महाराणा प्रताप के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मुगलों के सामने मेवाड़ की अस्मिता और स्वाभिमान की ढाल बनकर संघर्ष की लौ जलाए रखी थी । इतिहास गवाह है कि संकट की हर घड़ी में उस समुदाय ने साथ निभाया और मान-सम्मान की रक्षा की । आज वक्त का पहिया घूमकर चित्तौड़गढ़ की सियासी जमीन पर एक नई और दिलचस्प पटकथा लिख रहा है । इस बार सियासत के गलियारों में चर्चा का केंद्र पंचायत समिति का 'प्रधान' बनाने की जद्दोजहद है। चित्तौड़गढ़ में भाजपा के लिए यह महज एक पद नहीं, बल्कि साख और प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। अगर प्रधान की कुर्सी हाथ से फिसलती, तो नेताजी की प्रतिष्ठा से लेकर पार्टी की इज्जत तक सब कुछ दांव पर लग जाता । संकट गहराता देख भाजपा ने भी आनन-फानन में सियासी बिसात पर दांव चला, तमाम जोड़-तोड़ और 'जुगाड़' के ताने-बाने बुने और अंततः बाड़ेबंदी से RLP की शंकरी भील को अपने पाले में खींच लाने में कामयाबी हासिल कर ली (सोशल मिडिया पर वायरल वीडियो) । इतिहास के पन्नों से निकलकर आज फिर वही दृश्य एक नए सियासी रूप में सामने है, जहां कभी भील समुदाय ने राजपूतों और मेवाड़ की लाज रखी थी, वहीं आज चित्तौड़गढ़ में भील समुदाय की एक विजयी पंचायत समिति सदस्य भाजपा के पक्ष में उतरकर उसकी डूबती साख बचाने की निर्णायक भूमिका में नजर आ रही हैं । हालांकि, सियासी गलियारों में इसे अभी कयासों के चश्मे से ही देखा जा रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे की चालें बेहद दिलचस्प हैं । चुनाव परिणामों के बाद जिले के नेताओं का निंबाहेड़ा में जुटना और फिर विरोधी खेमे के पेच में सेंध मारते हुए साहड़ा से शंकरी को अपने साथ ले जाना, यह सब किसी मंजे हुए सियासी खेल से कम नहीं था । जिस वक्त कांग्रेस अपनी जीत को संभालने और व्यवस्थित करने में मशगूल थी, उसी दौरान भाजपा ने जिला प्रमुख की हार को पीछे छोड़ते हुए अपना पूरा ध्यान पंचायत समिति पर केंद्रित रखा और बाजी मार ली । मगर सियासत की यह शतरंज अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है, इसमें एक नया और तीखा पेच भी फंसा है। सूत्रों के अनुसार, जिले के एक कद्दावर नेता नहीं चाहते कि पंचायत समिति कांग्रेस की बने,इसके पीछे अपनी राजनीति को बचाने की सुगबुगाहट और आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से पटकथा लिखे जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता,सूत्र तो यह भी कहते हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में चित्तौड़गढ़ मे 'पेच' एरिया की महत्वपूर्ण भूमिका होगी । दूसरी ओर, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) ने सोमवार को महाधरने का ऐलान कर भाजपा की राह में कांटे बिछाने और सियासी समीकरण उलझाने की पुरजोर कोशिश की है। वहीं, भाजपा खेमे में वह रणनीतिकार भी मौजूद है, जिसे कमजोर आंकने की भूल पूरा जिला नहीं करता, जिसकी मैनेजमेंट कला और पकड़ का आलम यह है कि जिले में पत्ता भी उनकी बिना उसकी इजाजत के नहीं हिलता। कुल मिलाकर, चित्तौड़गढ़ की राजनीति में शतरंज की बिसात बिछ चुकी है। मोहरे चल दिए गए हैं और अब यह देखना रोमांचक होगा कि कब कौन-सा घर खाली कर दिया जाए। फिलहाल तो पूरी पार्टी उसी रणनीतिकार के इशारों पर कदमताल करती दिख रही है। इस सियासी संग्राम में किसने क्या खोया और किसने क्या पाया, इसका असली हिसाब तो आने वाला वक्त ही चुकता करेगा ।

दाएं और का शेष.....

इतना ही नहीं बल्कि विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेशकों ने जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच भारतीय शेयर बाज़ार से लगभग 2.95 लाख करोड़ अर्थात क़रीब 35 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश वापस निकाला है। हालांकि नवंबर 2026 में इन विदेशी निवेशकों द्वारा पुनः क़रीब 10.6 अरब की रिकॉर्ड वापसी भी की गयी है। फ़रवरी 2026 में ईरान पर हुए हमले और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक निवेशकों ने जोख़िम भरे बाज़ारों से पैसा निकालना शुरू किया। इसी लिए अकेले मार्च महीने में ही रिकॉर्ड 13 अरब डॉलर की निकासी हुई। वैश्विक अस्थिरता के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ने और महंगाई की आशंका पैदा हुई। 10-साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर 5.2% से अधिक का सुरक्षित रिटर्न मिलने के कारण निवेशकों ने भारतीय बाज़ार के मुक़ाबले अमेरिका में पैसा लगाना अधिक फ़ायदेमंद समझा। परन्तु सरकार का दावा है कि भारत 7% या उससे अधिक की दर से बढ़ने वाली दुनिया की सबसे तेज़ प्रमुख अर्थव्यवस्था है और पिछले 12-13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ लोग ग़रीबी से बाहर आए हैं। दूसरी यही सरकार यह कहकर भी अपनी पीठ स्वयं थपथपाती रहती है कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन उपलब्ध करा रही है।

अब रहा सवाल विदेश की धरती पर भारत की बदनामी कराने का तो इस बदनामी का मापदंड आख़िर कौन तय करेगा ? याद कीजिये मई 2015 में चीन के शंघाई और दक्षिण कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह टिप्पणी जिसमें उन्होंने कहा था कि 'एक दौर ऐसा था जब लोग सोचते थे कि उन्होंने पिछले जन्म में कौन-सा पाप किया था जो भारत में पैदा हुए,यह कैसा देश है और कैसी सरकार है, और लोग बाहर चले जाना चाहते थे।' प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर भारत में तीखी राजनीतिक बहस हुई थी। उस समय कई विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान की आलोचना करते हुए कहा था कि विदेश में जाकर यह कहना कि भारत में जन्म लेना किसी पिछले पाप या अभिशाप जैसा माना जाता था, राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुँचाने वाला है। इसी तरह भाजपा और उसके समर्थक जवाहरलाल नेहरू की कई नीतियों और निर्णयों का मूल्यांकन करते हुए उनकी आलोचना करते हैं। जबकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नेहरू ने आधुनिक भारत, लोकतांत्रिक संस्थाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों की नींव रखी, और उनके योगदान को नज़रअंदाज़ कर उन पर लगातार हमले किए जाते हैं।

विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के ही ऐसे और भी कई बयानों व गतिविधियों को देश की बदनामी करने वाली बताता है। जैसे कि अप्रैल 2015 में कनाडा के टोरंटो में प्रवासी भारतीयों की सभा में मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा था—'जिनको गंदगी करनी थी, गंदगी करके चले गए, हम सफ़ाई करके जाएंगे' और 'हमारा मिशन 'स्किल इंडिया' है, न कि 'स्कैम इंडिया'।' उस समय कांग्रेस नेताओं ने इसे विदेशी धरती पर देश की पिछली उपलब्धियों और लोकतांत्रिक परंपरा का अपमान क़रार दिया। इसी तरह दिसंबर 2015 में मॉस्को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ़ ऑनर के दौरान जब भारतीय राष्ट्रगान बज रहा था, तब मोदी अनजाने में आगे बढ़ने लगे थे तब एक रूसी अधिकारी ने उन्हें हाथ पकड़कर पीछे रोका था। विपक्ष ने इसे प्रोटोकॉल की चूक और असहज करने वाली घटना बताया था। अभी हाल ही में गत 17 नवंबर को फिलीपींस के मनीला में क्वाड शिखर सम्मेलन के ग्रुप फोटो सेशन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फर्श पर रखा एक स्पॉट मार्कर उठाकर अपनी जेब में रख लिया था। आलोचकों ने इसे लेकर सवाल उठाए। आयोजकों ने ग्रुप फोटो के दौरान नेताओं के खड़े होने की जगह तय करने के लिए फर्श पर देश के झंडे वाले छोटे मार्कर/कार्ड लगाए थे। 2015 व 2019 के ब्रिक्स सम्मेलनों में भी फर्श पर झंडे के मार्कर होने के कारण उन्हें नहीं उठाया गया था। विपक्ष के नेताओं व आलोचकों द्वारा इसे भी वैश्विक मंच पर देश की शर्मिंदगी करने वाला बताया गया। इसलिए विपक्ष पूछता है कि समय समय पर देश का अपमान करने वालों को आख़िर देश के सम्मान की चिंता क्यों सताती रहती है ?

उत्तर प्रदेश की सियासत में आजम खां की वापसी के मायने



अजय दीक्षित

स्मार्ट हलचल

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां का जेल से बाहर आना उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम माना जा सकता है। आजम खां केवल समाजवादी पार्टी के एक नेता नहीं हैं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुस्लिम राजनीति का एक प्रभावशाली चेहरा और पार्टी के पुराने रणनीतिकारों में गिने जाते हैं। उनकी रिहाई से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ सकता है और पार्टी को अपना पुराना जनाधार मजबूत करने का अवसर मिल सकता है।

हालांकि, यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि उनकी रिहाई से प्रदेश की राजनीति की दिशा तत्काल बदल जाएगी। असली परीक्षा इस बात की होगी कि आजम खां अपनी राजनीतिक सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता और जनसंपर्क के माध्यम से कितना प्रभाव छोड़ पाते हैं।

आजम खां की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उनका पारंपरिक जनाधार है। रामपुर के अलावा मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, बिजनौर और बरेली जैसे क्षेत्रों में भी उनका राजनीतिक प्रभाव माना जाता है। उनकी सक्रियता से समाजवादी पार्टी को मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में एकजुट रखने में मदद मिल सकती है। इसके साथ ही ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद जैसे नेताओं की राजनीतिक चुनौती का मुकाबला करने में भी आजम खां की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

आजम खां समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताओं में रहे हैं। मुलायम सिंह यादव के समय पार्टी में उनका अपना अलग स्थान था। अब सवाल यह है कि अखिलेश यादव उन्हें पार्टी में पहले जैसा राजनीतिक सम्मान और जिम्मेदारी देते हैं या नहीं। आजम खां की लोकप्रियता और राजनीतिक अनुभव पार्टी के लिए लाभकारी हो सकते हैं, लेकिन नेतृत्व के स्तर पर तालमेल बनाए रखना भी जरूरी होगा।

आजम खां की वापसी से भाजपा के सामने भी एक नई राजनीतिक परिस्थिति पैदा हो सकती है। यदि आजम खां अल्पसंख्यक मतदाताओं को समाजवादी पार्टी के पक्ष में लामबंद करने में सफल होते हैं तो कई सीटों पर भाजपा की चुनावी रणनीति प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, उनकी आक्रामक राजनीतिक बयानबाजी से बहुसंख्यक मतदाताओं का ध्रुवीकरण होने की आशंका भी रहेगी। यही कारण है कि आजम खां की वापसी समाजवादी पार्टी के लिए जितनी संभावनाएं लेकर आई है, उतनी ही कठिनाइयों की ओर भी इशारा करती है।



2027 के विधानसभा चुनाव में आजम खां की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। भले ही कानूनी अड़चनों के कारण उनके चुनाव लड़ने पर सवाल बने रहें, लेकिन चुनाव प्रचार, उम्मीदवारों के चयन और क्षेत्रीय रणनीति में उनका अनुभव उपयोगी हो सकता है। उनकी ताजा रिहाई अंतरिम जमानत पर हुई है। इसे सभी कानूनी मामलों से पूर्ण मुक्ति नहीं समझना चाहिए।

आजम खां की जेल से रिहाई केवल एक राजनीतिक नेता की घर वापसी नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की बदलती सियासत में एक दिलचस्प अध्याय की शुरुआत हो सकती है। राजनीति में किसी नेता की ताकत केवल उसके पद से नहीं, बल्कि उसके जनाधार, संघर्ष, संगठन और जनता के बीच उसकी स्वीकार्यता से तय होती है। आजम खां ने लंबे राजनीतिक जीवन में सत्ता भी देखी है और कठिन दौर भी। वहीं अखिलेश यादव के सामने यह अवसर है कि वे आजम खां के अनुभव और प्रभाव का उपयोग समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने में करें। लेकिन एक बात स्पष्ट है, उत्तर प्रदेश की राजनीति केवल जातीय और धार्मिक समीकरणों से नहीं चलेगी। बेरोजगारी, महंगाई, किसान, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दे भी मतदाताओं के फैसले को प्रभावित करेंगे।

आजम खां की वापसी समाजवादी पार्टी के लिए संजीवनी साबित होगी या भाजपा के लिए नया राजनीतिक अवसर बनेगी, इसका फैसला उनके भाषणों से नहीं, बल्कि जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता और 2027 के चुनाव परिणामों से होगा।तभी यह भाषा सचमुच हिंदुस्तान की आत्मा बन पाएगी।

सोना कम खरीदने की अपील में छिपा था राष्ट्रहित का बड़ा आर्थिक संदेश



शाश्वत तिवारी

स्मार्ट हलचल

भारत में सोना केवल एक धातु नहीं है। यह हमारी परंपरा है, संस्कृति है, सामाजिक प्रतिष्ठा है और करोड़ों परिवारों की जीवनभर की बचत का प्रतीक भी है। विवाह हो, त्योहार हो, धनतेरस हो या अक्षय तृतीया, भारतीय परिवारों में सोना खरीदना शुभ और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से सोचा कि देश में सोने की बढ़ती मांग का हमारी अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की मजबूती पर क्या प्रभाव पड़ता है?

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच, विदेशी मुद्रा बचाने की पहल और सोने की कीमतों में ऐतिहासिक गिरावट के बीच समझिए देश की अर्थव्यवस्था का गणित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब देशवासियों से एक वर्ष तक सोने की अनावश्यक खरीदारी कम करने की अपील की, तब यह बात केवल व्यक्तिगत खर्च सीमित करने तक नहीं थी। इसके पीछे देश की आर्थिक परिस्थितियों, विदेशी मुद्रा के संरक्षण और आयात पर निर्भरता कम करने का व्यापक दृष्टिकोण था। प्रधानमंत्री ने 10 मई 2026 को हैदराबाद में अपने संबोधन के दौरान सोने की खरीदारी के साथ पेट्रोलियम उत्पादों की खपत, अनावश्यक विदेशी यात्राओं और आयातित वस्तुओं पर खर्च कम करने का भी आह्वान किया था। इस अपील का मूल संदेश साफ था, राष्ट्रहित केवल सरकार की नीतियों और बजट से नहीं, बल्कि नागरिकों की आर्थिक समझदारी और सामूहिक जिम्मेदारी से भी मजबूत होता है।

भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ता देशों में शामिल है। लेकिन देश में सोने का घरेलू उत्पादन हमारी विशाल मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। परिणामस्वरूप हमें अपनी जरूरत का अधिकांश सोना विदेशों से आयात करना पड़ता है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर में भुगतान करना होता है। यही वह आर्थिक पहलू है, जिसे समझना जरूरी है। भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का सोने का आयात लगभग 42.56 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 58 अरब डॉलर यानी लगभग 4.8 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। यह एक वर्ष में लगभग 36 प्रतिशत की वृद्धि थी। खास बात यह है कि सोने के आयात की मात्रा में इतनी वृद्धि नहीं हुई, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के बढ़ने से आयात बिल में भारी इजाफा हुआ। लोकसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में भारत ने लगभग 7.57 लाख किलोग्राम सोने का आयात किया। वहीं 2025-26 की पहली छमाही यानी सितंबर 2025 तक ही सोने के आयात पर 26,514 करोड़ रुपये से अधिक का विदेशी मुद्रा व्यय दर्ज किया गया। ये आंकड़े बताते हैं कि सोने की खरीदारी केवल व्यक्तिगत पसंद या पारिवारिक निवेश का विषय नहीं है। इसका सीधा संबंध देश के आयात बिल, चालू खाते के घाटे और विदेशी मुद्रा की उपलब्धता से भी है।

प्रधानमंत्री की अपील को इसी आर्थिक परिप्रेक्ष्य में समझना चाहिए। जब भारत बड़ी मात्रा में सोना आयात करता है तो आयातकों को डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रुपये में कमजोरी आने पर आयातित पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। इस प्रकार सोने की अनावश्यक खरीदारी का प्रभाव केवल आभूषण बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापक अर्थव्यवस्था तक पहुंच सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश था कि जिन खर्चों को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है, उनमें संयम बरतकर देश की विदेशी मुद्रा बचाने में योगदान दिया जा सकता है। यहां एक महत्वपूर्ण बात भी समझनी होगी। सोना खरीदना गलत नहीं है। भारतीय परिवारों के लिए सोने का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व है। लेकिन जरूरत, सामर्थ्य और निवेश के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। आभूषणों की खरीदारी और राष्ट्रीय आर्थिक प्राथमिकताओं के बीच बेहतर तालमेल ही इस संदेश का वास्तविक उद्देश्य है।

अब इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है सोने की कीमतों में आई बड़ी गिरावट। द इंडियन एक्सप्रेस की 21 नवंबर 2026 की प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत 28 फरवरी 2026 को लगभग 1,70,305 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो 20 नवंबर 2026 तक गिरकर लगभग 1,26,875 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अर्थात लगभग 43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट, जो करीब 25.5 प्रतिशत बैठती है। इसे दूसरे तरीके से समझें तो 10 ग्राम सोना खरीदने वाले व्यक्ति को फरवरी के मुकाबले नवंबर में समान बाजार भाव पर लगभग 43 हजार रुपये कम चुकाने पड़ रहे हैं। हालांकि वास्तविक खुदरा कीमत में जीएसटी, मेकिंग चार्ज और अन्य लागतें अलग हो सकती हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2022 में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 51,715 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो फरवरी 2024 में बढ़कर लगभग 64,185 रुपये हो गया और उसके बाद 2026 में ऐतिहासिक ऊंचाइयों तक पहुंचा। इससे स्पष्ट है कि सोने का बाजार लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता है।



नवंबर में आई गिरावट के पीछे अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, ब्याज दरों को लेकर बाजार की अपेक्षाएं और निवेशकों की मुनाफावसूली जैसे अंतरराष्ट्रीय कारक भी रहे हैं। इसलिए इस गिरावट को केवल प्रधानमंत्री की अपील का परिणाम बताना आर्थिक रूप से उचित नहीं होगा। लेकिन प्रधानमंत्री की अपील ने जिस आर्थिक संयम और विवेकपूर्ण उपभोग की जरूरत पर ध्यान आकर्षित किया, वह अपनी जगह महत्वपूर्ण है।

सोने की कीमतों में गिरावट का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि जिन परिवारों में विवाह, पारिवारिक समारोह या अन्य आवश्यकताओं के लिए सोना खरीदना जरूरी है, उन्हें पहले की तुलना में कम कीमत पर खरीदारी का अवसर मिल सकता है। मान लीजिए किसी परिवार को 20 ग्राम सोना खरीदना है। फरवरी और नवंबर के उपरोक्त बाजार भाव के अंतर के आधार पर उसकी संभावित बचत लगभग 86,860 रुपये हो सकती है। यह केवल बाजार भाव पर आधारित उदाहरण है, वास्तविक आभूषण की कीमत अलग होगी। इसी तरह लाखों परिवारों के खरीदारी बजट में राहत की संभावना बनती है। हालांकि यह बचत सभी नागरिकों की वास्तविक बचत नहीं कही जा सकती, क्योंकि इसका लाभ उन्हीं लोगों को मिलेगा जिन्होंने गिरावट के बाद खरीदारी की है। यहां एक बड़ा आर्थिक संदेश भी है। जब बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भावनाओं में बहकर खरीदारी करने के बजाय आवश्यकता और बजट के अनुसार निर्णय लेना चाहिए। सोने को लेकर जल्दबाजी में निवेश करना या केवल तेजी देखकर खरीदारी करना हमेशा समझदारी नहीं होती। भारत जैसे विशाल देश में करोड़ों परिवारों के व्यक्तिगत आर्थिक निर्णयों का सामूहिक प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। यदि लोग अनावश्यक आयातित वस्तुओं पर खर्च घटाएं, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें और सोने की खरीदारी में जरूरत के अनुसार संयम बरतें तो इससे विदेशी मुद्रा की मांग पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है।

प्रधानमंत्री की अपील का एक महत्वपूर्ण पक्ष यही है कि आर्थिक राष्ट्रनिर्माण में नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। यह सोच नई नहीं है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय स्वदेशी का आह्वान भी इसी भावना से जुड़ा था कि देश की आर्थिक शक्ति देश के भीतर मजबूत होनी चाहिए। आज परिस्थितियां अलग हैं, चुनौतियां अलग हैं, लेकिन आत्मनिर्भरता का मूल सिद्धांत वही है। आज भारत को ऊर्जा, तकनीक, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी आर्थिक आवश्यकताएं पूरी करनी हैं। इसके लिए विदेशी मुद्रा का विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी है। ऐसे में गैर-जरूरी आयात पर निर्भरता कम करना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आर्थिक प्राथमिकता बन जाती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत में सोना लाखों परिवारों की आर्थिक सुरक्षा का माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अपने आभूषणों को संपत्ति और संकट के समय सहारे के रूप में देखती हैं। इसलिए सोने के प्रति सामाजिक भावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सरकार और वित्तीय संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे ऐसे विकल्पों को बढ़ावा दें, जिनसे घरेलू स्तर पर उपलब्ध निष्क्रिय सोने का बेहतर उपयोग हो सके। गोल्ड मोनेटाइजेशन जैसी योजनाओं, पारदर्शी गोल्ड एक्सचेंज और अन्य वित्तीय विकल्पों के माध्यम से आयातित सोने पर निर्भरता कम करने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। साथ ही नागरिकों को भी यह समझना होगा कि आर्थिक राष्ट्रवाद का अर्थ अपनी जरूरतों का त्याग करना नहीं, बल्कि अपनी जरूरतों और देश की आर्थिक परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोने की खरीदारी कम करने की अपील को केवल एक राजनीतिक बयान या सामान्य सलाह के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह देश की अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण पक्ष की ओर नागरिकों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास था। सोने की कीमतों में आई लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट ने बाजार की अस्थिरता को भी सामने रखा है। इस गिरावट का श्रेय किसी एक व्यक्ति या एक अपील को देना उचित नहीं होगा, लेकिन आर्थिक अनुशासन, अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण और विदेशी मुद्रा के संरक्षण का संदेश निश्चित रूप से व्यापक महत्व रखता है। राष्ट्रहित का अर्थ केवल सीमा पर देश की रक्षा करना नहीं है। देश की आर्थिक शक्ति को मजबूत करना, रुपये की स्थिरता में योगदान देना, आयात पर निर्भरता घटाना और देश के संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना भी राष्ट्रसेवा का ही हिस्सा है। आखिरकार एक मजबूत भारत का निर्माण केवल सरकार की योजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए 140 करोड़ से अधिक नागरिकों की आर्थिक समझ, जिम्मेदारी और सहभागिता भी आवश्यक है। देश के लिए कभी-कभी सबसे बड़ा योगदान यह भी होता है कि हम अपनी किसी इच्छा को थोड़े समय के लिए टालकर राष्ट्र की बड़ी जरूरत को प्राथमिकता दें। यही आर्थिक राष्ट्रहित की भावना है और यही आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सामूहिक जिम्मेदारी का वास्तविक अर्थ भी है।

तो इन्हें है देश के सम्मान की चिंता ?



तनवीर जाफ़री

स्मार्ट हलचल

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर हैं। दरअसल पिछले दिनों न्यूयॉर्क स्थित अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत 'आर्थिक संकट ' के मुहाने पर खड़ा है और यहाँ बेरोज़गारी, शिक्षा व्यवस्था तथा चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर समस्याएं हैं। भाजपा राहुल गाँधी द्वारा विदेश जाकर की जाने वाली ऐसी आलोचनाओं को सहन नहीं कर पाती और इसे देश विरोधी प्रचार बताती है। राहुल गांधी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने इसे देश को बदनाम करने वाला बताया और उनके इस इस दावे को भी ख़ारिज किया कि भारत की अर्थव्यवस्था ख़त्म हो चुकी है या आर्थिक संकट में है। रिजिजू ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी ने भारत की सभ्यता, परंपराओं, लोकतंत्र और संविधान को कमज़ोर करने वाली मानसिकता बना ली है। उन्होंने यह संगीन आरोप भी लगाया कि देश-विरोधी और वामपंथी विचारधारा वाली ताक़तें उन्हें प्रभावित कर रही हैं या उकसा रही हैं। रिजिजू ने राहुल को सुझाव दिए कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' या ख़त्म बताने वाले झूठे दावे करना बंद करें। भाजपा के अन्य कई नेता पहले भी राहुल गांधी की विदेश में की जानी वाली इसतरह की टिप्पणी पर अपनी ऐसी ही तीखी प्रतिक्रिया देते रहे हैं।

सवाल यह है कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराते संकट की बात केवल राहुल गांधी ही कहते हैं या देश के अन्य कई प्रमुख अर्थशास्त्री भी ऐसे ही विचार रखते हैं ? सच तो यह है कि पहले भी भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर देश और दुनिया के कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों, पूर्व नीति-निर्माताओं और राजनेताओं ने समय-समय पर गंभीर चेतावनियां दी हैं। वे भी देश में अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक संकट, बेरोज़गारी और धीमे निजी निवेश जैसे शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। उदाहरणार्थ पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन भारत के जीडीपी आंकड़ों की गणना पद्धति, निजी निवेश में सुस्ती, रोज़गार सृजन की कमी और जीएसटी के बाद अनौपचारिक क्षेत्र को हुए नुक़सान पर लगातार गंभीर चिंता जताते रहे हैं । नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मध्यम वर्ग की स्थिर या घटती वास्तविक आय और महंगाई के कारण बढ़ रहे आर्थिक दबाव को लेकर चेतावनी दी है। इसी तरह पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने ऊर्जा आयात पर निर्भरता, रुपये की गिरावट और विदेशी पूंजी के बाहर जाने जैसे मुद्दों को उठाते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की संवेदनशीलता पर चिंता व्यक्त की है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन और कौशिक बसु जैसे अर्थशास्त्रियों ने भी अलग-अलग समय पर नोटबंदी के असर, जीडीपी की गणना में संभावित विसंगतियों, घटते निर्यात और रोज़गार संकट को लेकर सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की है। इसके अतिरिक्त भाजपा नेता व अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम स्वामी भी अपनी ही पार्टी की सरकार की कई आर्थिक नीतियों—विशेषकर जीएसटी, नोटबंदी और बैंकिंग नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर संकट की चेतावनी देते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व अर्थशास्त्री स्व डॉ. मनमोहन सिंह व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम बेरोज़गारी, महंगाई और मध्यम वर्ग की थमी हुई आय को देश की तीन सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियां बता चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने तो नोटबंदी और जीएसटी के क्रियान्वयन को देश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया था।

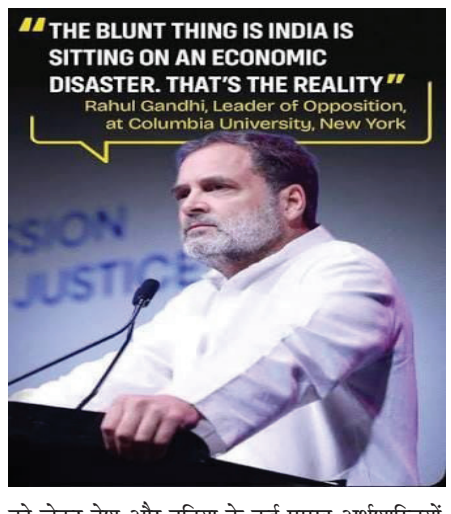

शेष बाईं ओर

सैफई में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की जयंती, समाधि स्थल पर उमड़ा जनसैलाब

प्रदेशभर से पहुंचे समाजवादी नेता, जनप्रतिनिधि और हजारों कार्यकर्ताओं ने नेताजी को दी श्रद्धांजलि, उनके विचारों और संघर्षों को किया याद

सांसद आदित्य यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, विधायक तेज प्रताप यादव ने बांटे एक सैकड़ा गरीबो को कंबल

स्मार्ट हलचल



सैफई (इटावा)। समाजवादी आंदोलन के पुरोधा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के पूर्व रक्षामंत्री धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर रविवार को उनकी जन्मभूमि सैफई में श्रद्धा, सम्मान और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। नेताजी की जयंती पर सैफई स्थित उनकी समाधि स्थल पर विशाल आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर अपने प्रिय नेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सुबह से ही समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देने वालों का पहुंचना शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे समाधि स्थल पर लोगों की भीड़ बढ़ती गई। पूरे आयोजन में नेताजी के प्रति लोगों की गहरी आस्था, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव दिखाई दिया। उपस्थित लोगों ने मुलायम सिंह यादव के चित्र एवं समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प व्यक्त किया। जयंती समारोह में एमएलसी मुकुल यादव, विधायक तेज प्रताप यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, बदायूं के सांसद आदित्य यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमलता यादव, सर्वेश शाक्य, पूर्व मंत्री रामसेवक गंगापुरा, चंदगीराम यादव, केपी सिंह, संतोष शाक्य, प्रधान रामनरेश यादव, पप्पन सिंधी, सहदेव यादव, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बबलू शाक्य, महामंत्री वीरू भदौरिया, उमेश यादव तोरिका, शिवकुमार यादव, मानिकचंद यादव, सुशांत वर्मा, डॉ. अरविंद यादव, मुकेश गुप्ता, राजवीर ठेकेदार, अवधेश यादव खदरी,राजवीर बाबा, राधाकृष्ण यादव प्रधान, सुनील ठाकुर प्रधान, करन सिंह राठौर प्रधान, वीकेश यादव प्रधान, आनंद यादव बब्लू, रामफल बाल्मीकि प्रधान सैफई, राम नरेश यादव विधान सभा अध्यक्ष सपा जसवंतनगर, लाल जी दुवे, जे0 पी यादव, दिनेश यादव बघुइया, मुकदम सिंह सरपंच, हाजी शमीम सांसद प्रतिनिधि, दीपक यादव, हरिओम बाबा, विनोद यादव नगला वरी, डॉ राम कुमार यादव करहल, कृपाराम कश्यप, प्रमोद यादव प्रधानाचार्य, राकेश यादव प्रधान, छबीले यादव, अमलेश यादव, अरविंद यादव कुइया, ब्रजकुमार यादव, सुनील यादव सभासद, और प्रदीप आढ़तिया, फैजान भाई, आशु भाई, सुमित यादव चौबेपुर, सहित अनेक प्रमुख लोग मौजूद रहे। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी समारोह में भाग लिया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नेताजी को याद करते हुए कहा कि मुलायम सिंह यादव का राजनीतिक जीवन संघर्ष, सादगी, सामाजिक न्याय और जनसेवा की मिसाल रहा है। उन्होंने हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया। मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्षों से भरा रहा। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर उन्होंने प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित की। उन्होंने समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दी। तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री के रूप में उन्होंने अपनी राजनीतिक भूमिका का निर्वहन किया। उनके समर्थक उन्हें केवल एक राजनीतिक नेता के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और पिछड़े, दलित, वंचित तथा कमजोर वर्गों की आवाज के रूप में याद करते हैं। सैफई मुलायम सिंह यादव की जन्मभूमि और कर्मभूमि रही। इसी धरती से उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की और राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई। सैफई के विकास और क्षेत्र को पहचान दिलाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। यही कारण है कि उनकी जयंती पर यहां आयोजित होने वाला कार्यक्रम केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि उनके प्रति लोगों की भावनाओं और उनके साथ जुड़े लंबे सामाजिक एवं राजनीतिक रिश्तों का प्रतीक बन जाता है। जयंती समारोह में उमड़ी भीड़ ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक विरासत और उनके प्रति लोगों का सम्मान आज भी कायम है। समाधि स्थल पर पहुंचे लोगों ने नेताजी के संघर्षों, विचारों और जनसेवा के कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सैफई में आयोजित यह विशाल जयंती समारोह समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोगों के लिए श्रद्धा, स्मृति और संकल्प का महत्वपूर्ण अवसर बन गया।

मरणोपरांत नेत्रदान से दूसरों की जिंदगी में रोशनी भर गईं मिथलेश कंवर, परिजनों ने पेश की मानवता की मिसाल

दो पुत्रों और चार पुत्रियों ने सहमति देकर निभाया सामाजिक सरोकार, आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान ने कराया नेत्रदान

स्मार्ट हलचल



कोटा। मृत्यु के बाद भी किसी की आंखों से दुनिया को देखने का अवसर मिल जाए, इससे बड़ा मानव सेवा का उदाहरण शायद ही कोई हो। कोटा के खेड़ली फाटक निवासी 63 वर्षीय मिथलेश कंवर के निधन के बाद उनके परिजनों ने नेत्रदान का निर्णय लेकर मानवता और संवेदनशीलता की प्रेरक मिसाल पेश की। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष के.के. कंजोलिया ने बताया कि मिथलेश कंवर के निधन की सूचना मिलने के बाद उनके दोनों पुत्र गजेंद्र सिंह एवं शैलेंद्र सिंह राजावत तथा पुत्रियों की सहमति से नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। सोसायटी के सचिव सुरेश सेडवाल ने बताया कि मिथलेश कंवर का निधन हृदयाघात के कारण हुआ था। ईबीएसआर के ज्योतिमित्र भूपेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि उन्होंने रात्रि में अंतिम सांस ली थी। परिजनों की सहमति के बाद आई बैंक सोसायटी के टेक्नीशियन टिंकू ओझा को बुलाया गया, जिन्होंने नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न की। मिथलेश कंवर अपने पीछे दो पुत्र और चार पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

अणभै वाणी के संदेशों से श्रद्धालुओं को कराया आत्मज्ञान का बोध

सद्गुरु सुखराम जी महाराज का निर्वाण उत्सव श्रद्धा से मनाया, सत्संग में गूंजे ब्रह्मज्ञान और मोक्ष के उपदेश

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची



ब्यावर। प्रताप नगर स्थित मकान 'पहचान' पर रामस्नेही संप्रदाय के सद्गुरु सुखराम जी महाराज का निर्वाण उत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सत्संग में वक्ता जगदीशप्रसाद जी जागेटिया एवं प्रकाशचंद जी कांकाणी ने गुरु महाराज की शिक्षाओं और उनके ग्रंथ 'अणभै वाणी' के आध्यात्मिक संदेशों की व्याख्या करते हुए श्रद्धालुओं को आत्मज्ञान एवं मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताया। वक्ताओं ने कहा कि सद्गुरु सुखराम जी महाराज का जन्म वर्ष 1783 में चैत्र शुक्ल नवमी को गुर्जर गौड़ ब्राह्मण परिवार के पंचारिया गोत्र में हुआ था। महाराज ने युवावस्था में 18 वर्षों तक कठोर तपस्या और साधना कर भक्ति की मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने निर्गुण परमात्मा, जिसे राम कहा गया है, से जुड़ने तथा आत्मतत्व को परमात्मा तत्व में विलीन करने का मार्ग बताया। प्रवचन में बताया गया कि मनुष्य संतों द्वारा बताए गए ब्रह्मज्ञान और तत्वज्ञान को जीवन में अपनाकर जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकता है। गीता का तत्वज्ञान और संतों का ब्रह्मज्ञान भी इसी आध्यात्मिक सत्य का संदेश देते हैं। महाराज के उपदेश आज भी 'अणभै वाणी' ग्रंथ के माध्यम से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। अंत में गुरु महाराज की अणभै वाणी की आरती एवं बढ़ावा गान किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान दुलराज मकाणा, श्यामसुंदर जागेटिया, रामेश्वर सोमाणी, गोपाल जी फोटो वाले, प्रहलाद शर्मा, वासुदेव शर्मा, भगवानदास, दीपक कांकाणी (सीए), नवीन जागेटिया, राधेश्याम, लाबूराम, भेरूलाल, बद्रीप्रसाद गर्ग सहित अनेक भक्तजन मौजूद रहे।

महेश सिंह जसरोटिया को ले अमानाह अवॉर्ड्स में दो प्रतिष्ठित सम्मान

'लक्जरी होटलियर ऑफ द ईयर' और 'राजपूत आइकन ऑफ एक्सीलेंस' अवॉर्ड से नवाजे गए

स्मार्ट हलचल



उदयपुर। लेकसिटी से जुड़े आतिथ्य सत्कार (हॉस्पिटैलिटी) जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले वरिष्ठ होटल प्रबंधन विशेषज्ञ महेश सिंह जसरोटिया ने एक बार फिर अपनी उपलब्धियों से गौरव बढ़ाया है। उन्हें प्रतिष्ठित ले अमानाह अवॉर्ड्स सीजन-8 में दो विशिष्ट सम्मानों से नवाजा गया है। जसरोटिया को 'लक्जरी होटलियर ऑफ द ईयर' और 'राजपूत आइकन ऑफ एक्सीलेंस' अवॉर्ड प्रदान किए गए। ये सम्मान आतिथ्य सत्कार क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान, नेतृत्व क्षमता और पेशेवर उपलब्धियों को रेखांकित करते हैं। वर्तमान में महेश सिंह जसरोटिया मैरियट इंटरनेशनल के ऑटोग्राफ कलेक्शन से जुड़े भारत के पहले पैलेस होटल नूरमहल पैलेस, करनाल में जनरल मैनेजर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उनकी पहचान एक ऐसे अनुभवी होटल प्रबंधन विशेषज्ञ के रूप में है, जिन्होंने भारतीय आतिथ्य परंपरा को आधुनिक होटल प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दिग्गज होटल समूहों के साथ रहा लंबा अनुभव

महेश सिंह जसरोटिया का हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में 24 वर्षों से अधिक का अनुभव है। अपने पेशेवर सफर में उन्होंने द लीला पैलेस, ताज होटल्स, आईटीसी होटल्स और द पार्क जैसे देश के प्रतिष्ठित होटल समूहों के साथ काम किया है। मैरियट इंटरनेशनल से जुड़ने से पहले वे रेडिसन होटल ग्रुप में वाइस प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न होटल इकाइयों के संचालन, व्यावसायिक रणनीतियों और प्रबंधन संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

वे रेडिसन ब्लू पैलेस रिजॉर्ट एंड स्पा, उदयपुर सहित जम्मू, विशाखापत्तनम और अलीबाग की होटल इकाइयों में भी महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभा चुके हैं। उदयपुर में उनकी पेशेवर भूमिका दक्षिणी राजस्थान के आतिथ्य सत्कार क्षेत्र के लिहाज से भी उल्लेखनीय रही है।

अनुभव और नेतृत्व क्षमता को मिली पहचान

आतिथ्य सत्कार उद्योग में निरंतर योगदान और उत्कृष्ट प्रबंधन कौशल के लिए मिले ये दोनों सम्मान उनके लंबे पेशेवर सफर की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। 'लक्जरी होटलियर ऑफ द ईयर' सम्मान जहां विलासितापूर्ण होटल प्रबंधन में उनकी दक्षता और नेतृत्व को दर्शाता है, वहीं 'राजपूत आइकन ऑफ एक्सीलेंस' सम्मान उनकी विशिष्ट पहचान और उपलब्धियों को रेखांकित करता है। जसरोटिया की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि भारतीय आतिथ्य सत्कार जगत में राजस्थान की प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता की भी प्रभावशाली पहचान है।

शताब्दी खेल महोत्सव : न्यूजीलैंड में भारतीय हॉकी का डंका, कबड्डी ने बांधा समां

स्मार्ट हलचल



ऑकलैंड। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष (1926-2026) पूरे होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर पार्क में आयोजित शताब्दी खेल महोत्सव में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखा। महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की मौजूदगी में 1926 में हुए भारतीय सेना की टीम के पहले न्यूजीलैंड दौरे की याद में आयोजित 'स्लम्बरजोन इंडियन सेंटेनरी हॉकी सीरीज' को भारतीय राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम ने 1-0 से जीतकर इतिहास रच दिया। कप्तान संजय राणा के नेतृत्व में खेली गई तीन मैचों की इस रोमांचक श्रृंखला के पहले टेस्ट में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड (ब्लैक स्टिक्स) को 3-2 से हराकर विजयी शुरुआत की। इसके बाद 21 और 22 नवंबर को खेले गए दूसरे और तीसरे मैच 2-2 की बराबरी पर छूटे, जिसके साथ भारत ने अजेय रहते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। मुख्य सीरीज़ के समानांतर चल रहे द्विपक्षीय दौरे में भारतीय रक्षा बलों की संयुक्त टीम ने भी अपने उत्कृष्ट खेल से सभी को प्रभावित किया। भारतीय सैन्य टीम ने अपने दौरे के चौथे मुकाबले में न्यूजीलैंड इंडियंस पुरुष टीम को 3-1 से करारी शिकस्त दी। इससे पहले भारतीय रक्षा बलों की टीम वेलिंगटन सेलेक्शन (7-3) और न्यूजीलैंड डिफेंस फोर्स (4-1) को भी हरा चुकी है। न्यूजीलैंड स्थित भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर लिखा खेल के ज़रिए एकता के 100 साल। अजेय रहने का सिलसिला जारी है। भारतीय रक्षा बलों की संयुक्त टीम ने अपने द्विपक्षीय दौरे के चौथे मैच में न्यूज़ीलैंड इंडियंस पुरुष टीम के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। मैच का समापन बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ, जहां दोनों टीमों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और यादगार चिह्न साझा किए। यह पल हमारी साझा विरासत, आपसी भाईचारे और खेल भावना का जश्न मनाने वाला रहा। हॉकी के इस महाकुंभ के बीच पारंपरिक भारतीय खेल कबड्डी का रोमांच भी देखने को मिला। 21 नवंबर को आयोजित 'स्लम्बरजोन सेंटेनरी कबड्डी प्रदर्शनी मैच' में न्यूजीलैंड की स्थानीय माओरी महिलाओं की टीमों और भारतीय मूल की पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया। न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायुक्त मुआनपुई साइआवी और स्थानीय कैबिनेट मंत्रियों की मौजूदगी में हुए इस आयोजन ने खेल के माध्यम से दोनों देशों की सांस्कृतिक एकता और आपसी सौहार्द को एक नई ऊंचाई प्रदान की। भारतीय उच्चायोग ने एक अन्य पोस्ट में लिखा स्लम्बरजोन सेंटेनरी कबड्डी प्रदर्शनी मैच' में माओरी महिलाओं को कबड्डी बड़ी कुशलता से खेलते देखना और भारतीय मूल के पुरुषों की टीमों को अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन करते देखना अद्भुत था।

कोटा रेल मंडल में पल्स पोलियो अभियान, पहले दिन 2454 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

मंडल के 32 बूथों, रेलवे स्टेशनों एवं चलती ट्रेनों में बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दवा

स्मार्ट हलचल

कोटा। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में रविवार, 22 नवंबर को प्रात: 7 बजे से पल्स पोलियो अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के पहले दिन रेलवे कॉलोनियों, रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्मों एवं चलती ट्रेनों में पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। मंडल में स्थापित कुल 32 बूथों के माध्यम से 2454 बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। यह अभियान 24 नवंबर की रात्रि 11 बजे तक निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान रेलवे स्टेशनों पर आने वाले बच्चों को चौबीसों घंटे पोलियो की खुराक पिलाने की व्यवस्था की गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि अभियान के अंतर्गत ट्रेन संख्या 19817/19818 हल्दीघाटी एक्सप्रेस, 11603/11604 कोटा-बीना-कोटा एक्सप्रेस तथा 59813/59814 कोटा-आगरा पैसेंजर ट्रेनों में यात्रा कर रहे बच्चों को भी पोलियो की खुराक पिलाई गई। इसके अतिरिक्त कोटा, न्यू कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, भरतपुर, केलादेवी, पिंगोरा, सेवर एवं धोरमी रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई, ताकि यात्रा के दौरान भी कोई बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कालरा के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुपर्णा सेन रॉय एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी. पंडा के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। अभियान के सफल क्रियान्वयन में रेलवे कर्मचारियों, सिविल डिफेंस तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों का संयुक्त सहयोग रहा। कोटा मंडल द्वारा यात्रियों एवं रेलकर्मियों से अपील की गई है कि वे अपने पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाकर पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और मजबूत बनाना है।

कुरेड़ा गांव पहुंचा मासी बांध का पानी, माइनरों की सफाई नहीं होने से किसानों को फसल खराब होने का डर!

स्मार्ट हलचल



पीपलू। मासी बांध की नहरों में छोड़ा गया सिंचाई का पानी अब कुरेड़ा गांव तक पहुंच गया है, लेकिन माइनर नहरों की सफाई नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। नहरों में जगह-जगह झाड़ियां, कचरा और मिट्टी जमा होने के कारण पानी के सुचारू प्रवाह में बाधा आने की आशंका है। इस संबंध में ग्रामीण नरेश कुरेड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले वर्षों में जब माइनर नहरों की सफाई करवाई जाती थी, तब भी रात के समय कई जगहों पर पानी ओवरफ्लो होकर खेतों में पहुंच जाता था। ऐसे में इस बार तो नहरों की सफाई ही नहीं हुई है। इससे किसानों को डर है कि पानी ओवरफ्लो होने से खेतों में खड़ी फसल खराब हो सकती है। नरेश कुरेड़ा ने संबंधित विभाग से मांग की है कि समय रहते माइनर नहरों का निरीक्षण करवाकर सफाई करवाई जाए, ताकि किसानों की मेहनत से तैयार फसल को नुकसान से बचाया जा सके।

सुवि आई हॉस्पिटल में राष्ट्रीय मायोपिया सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बच्चों की आंखों की सुरक्षा के लिए चिकित्सकों ने दिया जागरूकता का संदेश, पोस्टर का किया विमोचन

स्मार्ट हलचल



कोटा। बच्चों और युवाओं में तेजी से बढ़ती निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) की समस्या के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सुवि आई हॉस्पिटल, कोटा के कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय मायोपिया सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आईएमए कोटा, कोटा डिवीजनल ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी (केडीओएस) एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान (कोटा चैप्टर) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर जन-जागरूकता पोस्टर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में नेत्र रोग विशेषज्ञों ने बच्चों में बढ़ते मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन के उपयोग को मायोपिया का एक प्रमुख जोखिम बताते हुए चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2050 तक दुनिया की लगभग आधी आबादी मायोपिया से प्रभावित हो सकती है। चिकित्सकों ने अभिभावकों और शिक्षकों को सलाह दी कि बच्चों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खुले मैदान में प्राकृतिक रोशनी में खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही स्क्रीन उपयोग के दौरान 20-20-20 नियम अपनाएं और बच्चों की साल में कम से कम एक बार नियमित नेत्र जांच करवाएं। कार्यक्रम में सुवि आई हॉस्पिटल के डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. विदुषी शर्मा, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. निपुन बागरेचा एवं डॉ. सुभाष गुप्ता सहित आईएमए अध्यक्ष डॉ. दीपक गुप्ता, सचिव डॉ. अजीत धाकड़, केडीओएस अध्यक्ष डॉ. कमलेश केदावत, सचिव डॉ. राजेंद्र चंदेल एवं आई बैंक सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. के.के. कंजोलिया मौजूद रहे। इसके अलावा सर्वम इंस्टीट्यूट के शिक्षाविद श्री जितेन्द्र चाँदवानी, श्री परमानंद गोयल, साहित्यकार श्री विजय जोशी एवं डॉ. वैदेही गौतम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि बच्चों की आंखों की सुरक्षा के लिए अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम के अंत में सुवि आई हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

कठूमर में वीरांगना झलकारी बाई की जयंती पर वीरता और बलिदान को किया याद

लक्ष्मी मैरिज गार्डन में वीरांगना झलकारी बाई सेवा समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों ने दी श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल



कठूमर। कस्बे के लक्ष्मी मैरिज गार्डन में वीरांगना झलकारी बाई सेवा समिति कठूमर-खेरली की ओर से वीरांगना झलकारी बाई की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में वीरांगना झलकारी बाई के अदम्य साहस, वीरता, देशभक्ति और बलिदान को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान करन कोली ने वीरांगना झलकारी बाई के ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि झलकारी बाई ने 1857 की क्रांति में असाधारण साहस और वीरता का परिचय दिया था। उन्होंने अपने शौर्य, निडरता और त्याग से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन देशप्रेम, स्वाभिमान और समाज के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। वक्ताओं ने कहा कि वीरांगना झलकारी बाई का बलिदान सदैव याद रखा जाएगा तथा उनके आदर्शों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। समारोह में समाज के लोगों ने वीरांगना झलकारी बाई के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान समाज में एकता, शिक्षा, जागरूकता और महापुरुषों एवं वीरांगनाओं के इतिहास को संरक्षित करने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में करन सिंह, अखिल भारतीय कोली समाज कठूमर के ब्लॉक अध्यक्ष श्याम बिहारी, चंदा, ब्रजमोहन, गुलाब सिंह अध्यापक कठूमर, वीरांगना झलकारी बाई सेवा समिति के ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश टिटपुरी, अलवर जिला कोली समाज के कोषाध्यक्ष दुलीचंद अध्यापक सुंडियाना, कुंजीलाल, चुन्नीलाल, गोपाल खेरली सहित कठूमर एवं आसपास के गांवों के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बराड़ा गांव के खाते में तीन जनप्रतिनिधि, सरपंच से जिला परिषद तक गांव का प्रतिनिधित्व

पंचायती राज चुनाव में सरपंच, पंचायत समिति डायरेक्टर और जिला पार्षद पद पर गांव के लोगों ने हासिल की जीत, ग्रामीणों में खुशी और गर्व का माहौल

स्मार्ट हलचल



कठूमर। पंचायती राज चुनाव में कठूमर उपखण्ड क्षेत्र के बराड़ा गांव ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। गांव से तीन अलग-अलग पदों पर जनप्रतिनिधि निर्वाचित होने से ग्रामीणों में खुशी और उत्साह का माहौल है। सरपंच, पंचायत समिति सदस्य (डायरेक्टर) और जिला परिषद सदस्य के पद पर गांव के प्रतिनिधियों ने जीत दर्ज कर बराड़ा को क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। ग्रामीण इसे गांव के लिए गौरवपूर्ण अवसर मान रहे हैं। चुनाव में बराड़ा गांव से बिजेंद्र जाटव (मास्टर) सरपंच, राजेश गुर्जर निर्दलीय पंचायत समिति डायरेक्टर तथा शिब्बो गुर्जर कांग्रेस से जिला पार्षद निर्वाचित हुए हैं। तीनों जनप्रतिनिधियों के अलग-अलग पदों पर चुने जाने से गांव को पंचायत से लेकर जिला स्तर तक प्रतिनिधित्व मिला है। गांव के लोगों का कहना है कि एक ही गांव से तीन जनप्रतिनिधियों का निर्वाचित होना बराड़ा के लिए सम्मान और खुशी की बात है। इस उपलब्धि से गांव के विकास कार्यों को गति मिलने तथा क्षेत्र की समस्याओं को विभिन्न जनप्रतिनिधि मंचों पर मजबूती से उठाने की उम्मीद जगी है। चुनाव परिणाम के बाद नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को ग्रामीणों की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही है। नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र के लोगों को विकास, मूलभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं के समाधान की उम्मीद है। जिला परिषद क्षेत्र में आने वाली सभी ग्राम पंचायतों के साथ पंचायत समिति सदस्य क्षेत्र की तीन ग्राम पंचायतों सौंख, बराड़ा और टीकरी तथा बराड़ा ग्राम पंचायत के बराड़ा, छोटा भदीरा और घेरी गांवों के विकास में सामूहिक योगदान देने की अपेक्षा जताई गई है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि तीनों जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय और सहयोग से सड़क, पेयजल, सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली सहित अन्य जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे तथा गांवों के विकास, सम्मान और खुशहाली के लिए मिलकर काम करेंगे।बराड़ा गांव से तीन जनप्रतिनिधियों का अलग-अलग पदों पर निर्वाचित होना ग्रामीणों के लिए गौरव का विषय बना है। लोगों का मानना है कि जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल रहने से क्षेत्र की आवाज मजबूती से उठेगी और विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। ग्रामीणों ने तीनों नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे और क्षेत्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इतिहास की ढाल से राजनीति की बिसात तक

चित्तौड़गढ़ में 'साख' की नई दास्तान

स्मार्ट हलचल/आकाश शर्मा



चित्तौड़गढ़। मेवाड़ की धरती और त्याग-बलिदान की कथाएं जब भी लिखी जाती हैं, अरावली की वादियों में गूंजता भील समुदाय का स्वाभिमान अनायास ही जीवंत हो उठता है। कभी राणा पूंजा भील और उनके जांबाज योद्धाओं ने महाराणा प्रताप के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मुगलों के सामने मेवाड़ की अस्मिता और स्वाभिमान की ढाल बनकर संघर्ष की लौ जलाए रखी थी। इतिहास गवाह है कि संकट की हर घड़ी में उस समुदाय ने साथ निभाया और मान-सम्मान की रक्षा की। आज वक्त का पहिया घूमकर चित्तौड़गढ़ की सियासी जमीन पर एक नई और दिलचस्प पटकथा लिख रहा है। इस बार सियासत के गलियारों में चर्चा का केंद्र पंचायत समिति का 'प्रधान' बनाने की जद्दोजहद है। चित्तौड़गढ़ में भाजपा के लिए यह महज एक पद नहीं, बल्कि साख और प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। अगर प्रधान की कुर्सी हाथ से फिसलती, तो नेताजी की प्रतिष्ठा से लेकर पार्टी की इज्जत तक सब कुछ दांव पर लग जाता। संकट गहराता देख भाजपा ने भी आनन-फानन में सियासी बिसात पर दांव चला, तमाम जोड़-तोड़ और 'जुगाड़' के ताने-बाने बुने और अंततः बाड़ेबंदी से RLP की शंकरी भील को अपने पाले में खींच लाने में कामयाबी हासिल कर ली (सोशल मिडिया पर वायरल वीडियो)। इतिहास के पन्नों से निकलकर आज फिर वही दृश्य एक नए सियासी रूप में सामने है, जहां कभी भील समुदाय ने राजपूतों और मेवाड़ की लाज रखी थी, वहीं आज चित्तौड़गढ़ में भील समुदाय की एक विजयी पंचायत समिति सदस्य भाजपा के पक्ष में उतरकर उसकी डूबती साख बचाने की निर्णायक भूमिका में नजर आ रही हैं। हालांकि, सियासी गलियारों में इसे अभी कयासों के चश्मे से ही देखा जा रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे की चालें बेहद दिलचस्प हैं। चुनाव परिणामों के बाद जिले के नेताओं का निंबाहेड़ा में जुटना और फिर विरोधी खेमे के पेच में सेंध मारते हुए साहड़ा से शंकरी को अपने साथ ले जाना, यह सब किसी मंजे हुए सियासी खेल से कम नहीं था। जिस वक्त कांग्रेस अपनी जीत को संभालने और व्यवस्थित करने में मशगूल थी, उसी दौरान भाजपा ने जिला प्रमुख की हार को पीछे छोड़ते हुए अपना पूरा ध्यान पंचायत समिति पर केंद्रित रखा और बाजी मार ली। मगर सियासत की यह शतरंज अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है, इसमें एक नया और तीखा पेच भी फंसा है। सूत्रों के अनुसार, जिले के एक कद्दावर नेता नहीं चाहते कि पंचायत समिति कांग्रेस की बने,इसके पीछे अपनी राजनीति को बचाने की सुगबुगाहट और आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से पटकथा लिखे जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता,सूत्र तो यह भी कहते हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में चित्तौड़गढ़ मे 'पेच' एरिया की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। दूसरी ओर, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) ने सोमवार को महाधरने का ऐलान कर भाजपा की राह में कांटे बिछाने और सियासी समीकरण उलझाने की पुरजोर कोशिश की है। वहीं, भाजपा खेमे में वह रणनीतिकार भी मौजूद है, जिसे कमजोर आंकने की भूल पूरा जिला नहीं करता, जिसकी मैनेजमेंट कला और पकड़ का आलम यह है कि जिले में पत्ता भी उनकी बिना उसकी इजाजत के नहीं हिलता। कुल मिलाकर, चित्तौड़गढ़ की राजनीति में शतरंज की बिसात बिछ चुकी है। मोहरे चल दिए गए हैं और अब यह देखना रोमांचक होगा कि कब कौन-सा घर खाली कर दिया जाए। फिलहाल तो पूरी पार्टी उसी रणनीतिकार के इशारों पर कदमताल करती दिख रही है। इस सियासी संग्राम में किसने क्या खोया और किसने क्या पाया, इसका असली हिसाब तो आने वाला वक्त ही चुकता करेगा।

खेलो राजस्थान में भीलवाड़ा का धमाका!

33.34' रजिस्ट्रेशन के साथ प्रदेश में नंबर-1, पूरे राजस्थान के कुल खिलाड़ियों में एक तिहाई अकेले भीलवाड़ा के

स्मार्ट हलचल/महेन्द्र नागौरी

भीलवाड़ा खेल के मैदान में भीलवाड़ा ने पूरे राजस्थान को पीछे छोड़ दिया है। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 'खेलो राजस्थान खेल' अभियान में जिले ने रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए 79,338 खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। खास बात यह है कि राजस्थान के कुल 2,39,390 पंजीकृत खिलाड़ियों में अकेले भीलवाड़ा की हिस्सेदारी 33.34 प्रतिशत है। भीलवाड़ा ने दूसरे स्थान पर चल रहे डीडवाना-कुचामन (24,415) को तीन गुना से भी अधिक अंतर से पछाड़ दिया है। नागौर 9,580 रजिस्ट्रेशन के साथ तीसरे स्थान पर है। जिले में 43,965 पुरुष और 35,379 महिलाओं ने पंजीयन कराया है, जबकि अब तक 861 टीमों का गठन हो चुका है। ग्रामीण खिलाड़ियों का जोश शहरी क्षेत्र पर भारी पड़ा है। 16 ब्लॉकों में बिजौलिया 17,661 रजिस्ट्रेशन के साथ अव्वल, मांडलगढ़ 11,186 के साथ दूसरे और कोटड़ी 9,573 के साथ तीसरे स्थान पर है। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देश पर ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर आयोजन समितियां गठित की जा चुकी हैं। जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत के अनुसार प्रतियोगिताओं का शुभारंभ 15 दिसंबर 2026 को मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित है। पहले चरण में वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, रस्साकशी, शूटिंग बॉल और तीरंदाजी को शामिल किया गया है। दूसरे चरण में कबड्डी, फुटबॉल, जूडो, शूटिंग, मलखंब और टेनिस बॉल क्रिकेट तथा तीसरे चरण में खो-खो, कुश्ती, बास्केटबॉल, सतोलिया और हॉकी की प्रतियोगिताएं प्रस्तावित हैं। जनाधार कार्ड से सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी पंजीयन कर प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकेंगे। भीलवाड़ा के इस रिकॉर्ड ने साबित कर दिया है कि जिले में खेल प्रतिभाओं और खेल के प्रति जुनून की कोई कमी नहीं है।

नहरों की मरम्मत में लापरवाही पर भारतीय किसान संघ नाराज, पानी छोड़ने से पहले निरीक्षण की मांग,

दाईं मुख्य नहर की मरम्मत नहीं होने पर जताई चिंता, लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल



टोंक। भारतीय किसान संघ टोंक की उनियारा एवं नगरफोर्ट तहसील की संयुक्त बैठक रविवार को ग्राम रानीपुरा में प्रभु लाल मीणा के आवास पर जिलाध्यक्ष रमेश चंद जाट की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नहरों की मरम्मत एवं सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के संबंध में जिला कलेक्टर को 5 सितंबर 2026 को दिए गए ज्ञापन की समीक्षा की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं ने दाईं मुख्य नहर की मरम्मत अब तक नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग द्वारा नहरों की मरम्मत के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जा रही है। नहरों की समुचित मरम्मत नहीं होने से पानी की बर्बादी बढ़ने के साथ ही किसानों का सिंचाई क्षेत्र भी प्रभावित होने की आशंका है। भारतीय किसान संघ ने जिला प्रशासन से मांग की कि सभी तहसीलों के उपखंड अधिकारियों के माध्यम से नहरों का तत्काल निरीक्षण करवाया जाए। साथ ही मरम्मत कार्य में लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए, ताकि नहरों में पानी छोड़ने से पहले उनकी स्थिति दुरुस्त हो सके और किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिल सके। जिला मंत्री विनय सिंह ताखर ने बताया कि भारतीय किसान संघ द्वारा पूर्व में बीसलपुर नहर की सफाई, मरम्मत एवं पानी छोड़ने के संबंध में प्रशासन को ज्ञापन दिया गया था। इस पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए नहरों में पानी छोड़ने की स्वीकृति प्रदान करने पर उन्होंने टोंक जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। बैठक में जिलाध्यक्ष रमेश चंद जाट, जिला महामंत्री विनय सिंह ताखर, जिला उपाध्यक्ष प्रभु लाल मीणा एवं देवकरण चौधरी, प्रांत प्रतिनिधि रामस्वरूप धाकड़, बीज प्रमुख सूरज करण फगोड़िया, तहसील मंत्री लक्ष्मीनारायण बराला, राधाकिशन धाकड़, रामफूल गुर्जर, रामदयाल बराला, टीकाराम मीणा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धाकड़ समाज सेवा समिति की अहम बैठक संपन्न: आवेदनों की समीक्षा व समारोह की तैयारियों को लेकर हुआ विस्तार से मंथन

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट धाकड़ समाज सेवा समिति (कर्मचारी परिषद 108 गाँव) की कार्यकारिणी पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों और सदस्यों की एक अति आवश्यक बैठक रविवार दोपहर 1 बजे स्थानीय धाकड़ समाज छात्रावास, नैनवां में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रामसाई नागर ने की।बैठक के दौरान समाज के आगामी प्रतिभा सम्मान समारोह की रूपरेखा और तैयारियों को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि समाज की होनहार प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए यह समारोह आगामी 27 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। समारोह के आयोजन स्थल को लेकर विभिन्न ग्रामों से प्राप्त प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जिस पर यह तय किया गया कि स्थल का अंतिम चयन अगले चरण की बैठक के बाद किया जाएगा। प्रवक्ता कमलेश धाकड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा प्रक्रिया, सदस्यता शुल्क और समाज के सदस्यता अभियान में तेजी लाने की रणनीति पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के समापन पर समिति एवं कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष शांतिलाल धाकड़ ने समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहयोग और रचनात्मक सुझावों के लिए उपस्थित सभी पदाधिकारियों व समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

वर्दी का गौरव ही नहीं, राष्ट्र निर्माण का संकल्प है एनसीसी

79वें स्थापना दिवस पर जसमीत कौर सलूजा ने कैडेट्स को दी बधाई, युवाओं से अनुशासन और देशसेवा को जीवन में अपनाने का किया आह्वान

स्मार्ट हलचल। अनिल खीची



ब्यावर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के 79वें स्थापना दिवस के अवसर पर महिला पतंजलि योग समिति, ब्यावर की जिला प्रभारी जसमीत कौर सलूजा ने देशभर के एनसीसी कैडेट्स, अधिकारियों एवं युवाओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह केवल प्रशिक्षण देने वाला संगठन नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक और राष्ट्रसेवक तैयार करने वाली पाठशाला है। सलूजा ने कहा कि एनसीसी के कैडेट्स एकता और अनुशासन की मिसाल हैं। संगठन युवाओं में आत्मविश्वास, समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है। एनसीसी से जुड़कर युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं और चुनौतियों का सामना करने का साहस सीखते हैं। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और राष्ट्र की प्रगति में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवाओं में देशप्रेम, संस्कार और सेवा का भाव मजबूत होगा, तभी सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। एनसीसी इन मूल्यों को आत्मसात करवाकर युवाओं को समाज और देश के प्रति अपने दायित्व निभाने के लिए प्रेरित कर रहा है। अंत में उन्होंने सभी कैडेट्स के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए युवाओं से एकता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रप्रेम की भावना प्रत्येक युवा के हृदय में सदैव जीवित रहनी चाहिए।

सद्भावना क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-10 का भव्य आगाज, बल्ले से गेंद खेलकर अतिथियों ने किया उद्घाटन

10 वर्षों से विभिन्न संगठनों को एक मंच पर लाकर भाईचारे को बढ़ावा दे रही नई दिशा सोसायटी, उद्घाटन मुकाबले में बैंकर्स इलेवन ने भारत विकास परिषद को 77 रनों से हराया

स्मार्ट हलचल



गंगापुर सिटी। शहर में सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई दिशा सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित सद्भावना क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-10 का रविवार सुबह 8 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान पर उत्साह और उमंग के साथ शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकीय सामान्य चिकित्सालय के पीएमओ डॉ. विजेंद्र गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि वर्धमान हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मनोज जैन एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के एक्सईएन बदन सिंह गुर्जर उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर तथा बल्ले से गेंद खेलकर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि डॉ. विजेंद्र गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज जैन ने नई दिशा सोसायटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों से लगातार सद्भावना क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करना अपने आप में सराहनीय उपलब्धि है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से शहर के विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक एवं अन्य संगठनों के पदाधिकारियों और सदस्यों को एक मंच पर आने, आपसी मेलजोल बढ़ाने तथा भाईचारे को मजबूत करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खेलों से जहां शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, वहीं मानसिक विकास, अनुशासन और टीम भावना को भी बढ़ावा मिलता है। नई दिशा सोसायटी के चेयरमैन एवं पूर्व सभापति शिवरतन अग्रवाल ने कहा कि सोसायटी पिछले कई वर्षों से सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। रक्तदान शिविर, पौधारोपण, फिटनेस चैलेंज सहित अनेक सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। सद्भावना क्रिकेट प्रतियोगिता भी इसी उद्देश्य की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

उद्घाटन मुकाबले में बैंकर्स इलेवन की शानदार जीत

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला बैंकर्स इलेवन एवं भारत विकास परिषद के बीच खेला गया। इसमें बैंकर्स इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत विकास परिषद को 77 रनों से पराजित किया और प्रतियोगिता में जीत के साथ अपना खाता खोला। दूसरा मुकाबला मेडिको स्पोर्ट्स एवं नगर परिषद की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में मेडिको स्पोर्ट्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नगर परिषद की टीम को 11 रनों से शिकस्त दी। इस मुकाबले में टॉस की प्रक्रिया डॉ. पुष्पेंद्र जी द्वारा संपन्न करवाई गई। दिन का तीसरा मुकाबला रॉयल एडवोकेट एवं प्रशासन एकादश के बीच खेला गया। इस मैच में टॉस की प्रक्रिया सुरेश जी गुप्ता द्वारा संपन्न करवाई गई। टॉस जीतकर रॉयल एडवोकेट की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मुकाबले को लेकर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

आठ टीमें लेंगी प्रतियोगिता में हिस्सा, 3 जनवरी को होगा फाइनल

नई दिशा सोसाइटी के सचिन आनंद पैंगोरिया ने बताया कि सद्भावना क्रिकेट प्रतियोगिता के दसवें सीजन में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक रविवार को तीन मुकाबले आयोजित किए जाएंगे तथा प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 3 जनवरी 2027 को खेला जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेल के माध्यम से विभिन्न संगठनों को एक मंच पर लाकर आपसी सद्भाव, सहयोग, सामाजिक समरसता और भाईचारे को बढ़ावा देना है।

दुख में भी दूसरों की जिंदगी संवार गया शाह परिवार, पेश की मानवता की मिसाल

शाह परिवार के नेक फैसले से दो लोगों की दुनिया होगी रोशन, मरणोपरांत कराया कांता देवी का नेत्रदान

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा। अपनों को खोने का गम और किसी दूसरे के जीवन में रोशनी लाने का संकल्प... शाह परिवार ने दुख की घड़ी में मानवता की ऐसी मिसाल पेश की, जो समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। स्वर्गीय कांता देवी शाह (जैन) के निधन के बाद उनके पति गुलाबचंद शाह, पुत्र मनीष एवं नीरज शाह तथा पौत्र-पौत्रियों ने सहमति देकर उनका मरणोपरांत नेत्रदान करवाया। इससे दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को इस खूबसूरत दुनिया को देखने का अवसर मिल सकेगा। कुमुद विहार-2, हरनी महादेव रोड निवासी स्वर्गीय कांता देवी शाह, धर्मपत्नी गुलाबचंद शाह (चेची वाले) के निधन की सूचना के बाद लायंस क्लब इंटरनेशनल प्रांत 3233 ई-2 के प्रांतपाल एमजेएफ लायन डॉ. निशांत जैन के विशेष सहयोग एवं प्रयासों से नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, भीलवाड़ा चैप्टर के अध्यक्ष राकेश पगारिया ने बताया कि शोकाकुल वातावरण में भी शाह परिवार ने नेत्रदान का निर्णय लेकर मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। लायंस क्लब स्टार की लायन दिव्या बांगड़ एवं श्वेता पोखरणा ने बताया कि लायंस आई बैंक की ओर से डॉ. प्रतिष्ठा छिपा के निर्देशन में वरिष्ठ नेत्र सहायक चेतन भट्ट ने रात्रि 12.30 बजे शाह परिवार के निवास पर पहुंचकर नेत्र उत्सर्जन की प्रक्रिया पूरी की। कैबिनेट सेक्रेटरी लायन अभिषेक खजांची ने बताया कि इस पुनीत कार्य में शाह परिवार के राजेंद्र कुमार, अनिल, अशोक, मनीष, सरिता, नीरज, मनीषा, प्रियांश, आर्ष शाह सहित चंदा-निर्मल गोधा (कोटड़ी) एवं मनीषा-अशोक बेद (भीलवाड़ा) का सहयोग रहा। केसर ग्रुप से जुड़ी प्रियल, प्रियांश, आर्य एवं आरना सहित समस्त शाह परिवार का यह निर्णय समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला है। लायंस क्लब स्टार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त शाह परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

काछोला में धर्म और आस्था का अनूठा संगम,

भक्त भागचंद धाकड़ ने कराया 1100 कन्याओं का भोज, बावन माता व भगवान द्वारकाधीश मंदिर को भेंट किया चांदी का ट्रेलर

स्मार्ट हलचल

काछोला 22 नवंबर -कस्बे में धर्म, आस्था और सेवा की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। कस्बे के निवासी भागचंद धाकड़ (पुत्र श्री खाना लाल धाकड़) ने अपनी मनोकामना पूर्ण होने एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के साथ 1100 कन्याओं का भव्य भोज आयोजित किया। ?इस धार्मिक अनुष्ठान के तहत सर्वप्रथम भगवान द्वारकाधीश मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिसके पश्चात 1100 नन्ही कन्याओं को बड़े ही आदर-सत्कार और प्रेमपूर्वक भोजन कराकर उनका आशीर्वाद लिया गया। इसी क्रम में भागचंद धाकड़ ने कस्बे में मुख्य आस्था के केंद्र भगवान द्वारकाधीश एवं पहाड़ी पर स्थित प्रसिद्ध बावन माता के मंदिर पहुंचकर माता के दरबार में शीश नवाया और अपनी आस्था प्रकट करते हुए चांदी से निर्मित एक सुंदर छोटी गाड़ी (ट्रेलर) चढ़ावे के रूप में भेंट की। क्षेत्र में इस पुनीत कार्य और अनूठी भेंट की सर्वत्र सराहना हो रही है।

टोंक में अवैध मैरिज गार्डनों का साम्राज्य! नगर परिषद की कार्यशैली पर उठे सवाल, बिना अनुमति करोड़ों का कारोबार

ना पंजीयन, ना भूमि रूपांतरण, ना पार्किंग और ना ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम! कृषि भूमि पर व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन की शिकायतें, कार्रवाई के नाम पर जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल...

स्मार्ट हलचल



टोंक। टोंक शहर में अवैध रूप से संचालित हो रहे मैरिज गार्डनों का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। सरकारी नियम-कायदों की अनदेखी कर कृषि भूमि पर विवाह समारोहों के नाम पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कहीं पंजीयन को लेकर सवाल हैं तो कहीं भूमि रूपांतरण, निर्माण स्वीकृति, पार्किंग और अग्नि सुरक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लगे हुए हैं। इसके बावजूद नगर परिषद की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने को लेकर शहरवासियों में नाराजगी है।

100 से अधिक मैरिज गार्डन संचालित होने का दावा

सूत्रों के अनुसार टोंक शहर में 100 से अधिक मैरिज गार्डन संचालित हैं। इनमें से बड़ी संख्या में नियमों की अनदेखी किए जाने की शिकायतें हैं। वर्ष 2020 में तत्कालीन नगर परिषद आयुक्त ने कुछ मैरिज गार्डनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पंजीयन शुल्क के रूप में 2.38 लाख रुपए वसूल किए थे। इनमें मधुबन पैराडाइज, दुर्गा पैराडाइज, जगदम्बा पैराडाइज, वैष्णवी पैराडाइज, शहनाई मैरिज गार्डन और प्रिन्स मैरिज गार्डन शामिल थे। सवाल यह है कि उस कार्रवाई के बाद नियमित जांच और निगरानी की व्यवस्था क्यों प्रभावी नहीं रही

सड़कें बन जाती हैं पार्किंग स्थल, आमजन परेशान

शादी-विवाह के सीजन में मैरिज गार्डनों के बाहर और आसपास की सड़कें वाहनों की पार्किंग से घिर जाती हैं। बारात, डीजे और बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। आम नागरिकों और राहगीरों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। वहीं ध्वनि प्रदूषण और कचरा निस्तारण की समस्या भी आमजन के लिए परेशानी का कारण बनती है। मैरिज गार्डनों में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास द्वार, सुरक्षित पहुंच मार्ग और पर्याप्त पार्किंग जैसी व्यवस्थाएं बेहद जरूरी हैं। इन व्यवस्थाओं में लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। वर्ष 2017 में भरतपुर के एक मैरिज हॉल में दीवार गिरने से 23 लोगों की मौत हो गई थी और 28 लोग घायल हुए थे। ऐसे हादसों से सबक लेते हुए टोंक प्रशासन को समय रहते सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच करनी चाहिए।

नगर परिषद और जिला प्रशासन से उठे सवाल

शहरवासियों का सवाल है कि आखिर नगर परिषद और जिला प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है शहर एवं आसपास संचालित सभी मैरिज गार्डनों का व्यापक सर्वे करवाकर भूमि उपयोग, पंजीयन, निर्माण स्वीकृति, अग्निशमन एनओसी, पार्किंग, पहुंच मार्ग, ध्वनि नियंत्रण और कचरा निस्तारण की व्यवस्थाओं की जांच क्यों नहीं करवाई जा रही

छोटे दुकानदारों पर सख्ती, बड़े कारोबारियों पर नरमी क्यों

एक ओर छोटे दुकानदारों से नियमों और करों के नाम पर जवाब मांगा जाता है, वहीं दूसरी ओर लाखों-करोड़ों का कारोबार करने वाले मैरिज गार्डनों की जांच और कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यदि कहीं नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही क्या नियमों की पालना केवल छोटे कारोबारियों तक ही सीमित रह गई है

अब जनता चाहती है जवाब!

टोंक शहर की जनता जानना चाहती है कि नगर परिषद कब जागेगी प्रशासन सभी मैरिज गार्डनों का निष्पक्ष सर्वे करवाकर नियमों की पालना सुनिश्चित करेगा या फिर शिकायतों और सवालों के बावजूद यह कारोबार इसी तरह चलता रहेगा अब जरूरत केवल कागजी कार्रवाई की नहीं, बल्कि धरातल पर पारदर्शी जांच और नियमानुसार ठोस कार्रवाई की है।

विजय चौक में बंदरों के झुंड से जनजीवन प्रभावित, लोग घरों में रहने को मजबूर; सुरक्षित स्थान पर भेजने की उठी मांग

राहुल मदेरणा ने नगर निगम एवं वन विभाग से की मानवीय तरीके से स्थायी समाधान की मांग

स्मार्ट हलचल



भरतपुर- शहर के नीम दरवाजा स्थित विजय चौक पर पिछले कुछ दिनों से बंदरों के कई झुंड अचानक पहुंचने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि लोगों का घरों से निकलना, बच्चों का बाहर खेलना और यहां तक कि सर्दियों में छतों पर बैठकर धूप सेंकना भी मुश्किल होता जा रहा है। स्थानीय निवासी राहुल मदेरणा ने इस समस्या को उठाते हुए बताया कि बंदर घरों के गेट और खिड़कियां खटखटाते हैं, छतों पर उत्पात मचाते हैं, वाहनों पर चढ़कर नुकसान पहुंचाते हैं तथा वाई-फाई, डिश और बिजली के तारों पर उछल-कूद करते हैं। सड़कों पर झुंड बनाकर बैठने और लोगों पर आक्रामक होने से राहगीरों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। बंदरों के डर से लोग घरों के दरवाजे खुले रखने और बच्चों को बाहर खेलने देने से भी कतरा रहे हैं। वहीं घरों में रखे सामान, पेड़-पौधों और खाद्य सामग्री को भी नुकसान एवं गंदगी की आशंका बनी रहती है। इनके मल-मूत्र और दूषित खाद्य पदार्थों से संक्रमण का खतरा भी हो सकता है। मदेरणा का कहना है कि बंदर भी प्रकृति का हिस्सा हैं और उनका प्राकृतिक आवास एवं भोजन सुरक्षित रहना चाहिए लेकिन रिहायशी क्षेत्रों में इस तरह इंसानों और वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति भी उचित नहीं है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन एवं वन विभाग से मांग की है कि विशेषज्ञों की मदद से बंदरों को सुरक्षित एवं मानवीय तरीके से किसी उपयुक्त प्राकृतिक आवास या सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए, जहां उन्हें पर्याप्त भोजन और रहने का वातावरण मिल सके तथा विजय चौक के निवासियों को भी राहत मिले।

ड्रॉ हुआ भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला, टीम इंडिया ने जीती सीरीज



ऑकलैंड । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से जीत ली। रविवार को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके साथ ही भारतीय टीम पूरी सीरीज में अजेय रही। भारत ने सीरीज के पहले मुकाबले में 19 नवंबर को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

पहले हाफ में भारत ने बनाई बढ़त - मेजबान न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय ने 16वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही कार्थी सेल्वम ने 18वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद अपनी बढ़त कायम रखी और मुकाबले के अंतिम चरण तक बढ़त बनाए रखी।

55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने की बराबरी

मैच के 55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। बेनजी कल्हेन ने फील्ड गोल कर मेजबान टीम को बराबरी पर ला दिया। आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

इंग्लैंड के सामने कप्तानी का संकट: विल जैक्स हुए चोटिल

मेलबर्न। इंग्लैंड की टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम के सामने एक नई परेशानी खड़ी हो गई है। उपकप्तान विल जैक्स के गेंदबाजी वाले हाथ में गंभीर चोट लगी है। वह सीरीज के बाकी मुकाबलों से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में इंग्लैंड को न सिर्फ उनके विकल्प की तलाश करनी होगी, बल्कि कप्तानी की जिम्मेदारी को लेकर भी फैसला करना पड़ सकता है। हैरी ब्रूक चौथे टी20 के बाद टेस्ट टीम से जुड़ने के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना हो जाएंगे। ऐसे में पांचवें मुकाबले में कप्तानी कौन करेगा?



गेंदबाजी के दौरान चोटिल हुए विल जैक्स, सीरीज से बाहर होने का खतरा - मेलबर्न में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की पारी का 19वां ओवर करते समय विल जैक्स चोटिल हो गए। वह बेन ड्वारशुइस के तेज शॉट को कैच करने की कोशिश कर रहे थे। गेंद उनके हाथ की उंगलियों के बीच से निकल गई और उनके हाथ की त्वचा कट गई। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके हाथ से खून निकलने लगा।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन । भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन - चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।



इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। पंत ने 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन बनाए। वह लंच से ठीक पहले रचिन रवींद्र की गेंद पर नाथन स्मिथ के हाथों कैच आउट हुए। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ छठे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। इस दौरान पंत ने टेस्ट क्रिकेट में अपने छक्कों की संख्या 108 तक पहुंचा दी और सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ दिया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया था। इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्थापित देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया। इस पारी की एक और बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

पूर्व इंग्लिश ओपनर बॉयकॉट बोले- इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला, किससे की तुलना?

नई दिल्ली । क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा - दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है। विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट



ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।

'पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी' - ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है। उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया।

स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर भी साधा निशाना - बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी। इस योजना में टीम के एक युवा खिलाड़ी से गलत काम करवाया गया, क्योंकि किसी का ध्यान उस पर जाने की संभावना कम थी। बॉयकॉट के अनुसार, टीम के हर खिलाड़ी और कोच ने इस घटना से खुद को शर्मिंदा किया और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के कई महान खिलाड़ियों ने हमेशा खेल भावना और ईमानदारी के साथ क्रिकेट खेला है, लेकिन इस घटना ने उनकी विरासत पर भी सवाल खड़े किए।

महेंद्र सिंह धोनी की स्टंपिंग और फिनिशिंग को करेंगे मिस- नूर

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भले ही अब आईपीएल में बतौर खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे, लेकिन टीम के साथ मेंटर के रूप में उनकी मौजूदगी सीएसके के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह मानना है अफगानिस्तान के युवा स्पिनर नूर अहमद का। उन्होंने कहा कि धोनी की विकेट के पीछे शानदार विकेटकीपिंग और मैच फिनिश करने की क्षमता को टीम जरूर मिस करेगी, लेकिन उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद मददगार होगा। आईपीएल रिटेंशन की समयसीमा से पहले धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनके शानदार सफर का अंत हो गया। दुबई में जारी डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नूर अहमद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हर कोई उन्हें मिस करेगा, लेकिन उनकी नई भूमिका टीम की काफी मदद करने वाली है। मैं खुश हूं कि वह अब भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।' धोनी की किन खूबियों की कमी सबसे ज्यादा खलेगी, इस सवाल पर नूर ने कहा कि उनकी स्टंपिंग और मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता को सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

युवा खिलाड़ियों के लिए विदेशी लीग में खेलना जरूरी - 21 वर्षीय नूर अहमद का मानना है कि दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलता है। अलग-अलग टीमों के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से उनके खेल में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में खेलने से खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों, मैदानों और मैच के दौरान पैदा होने वाली चुनौतियों को समझने का अनुभव मिलता है। इससे खिलाड़ियों की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहतर होती है।

आईएलटी20 में परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली टीम को मिलेगा फायदा -नूर अहमद ने कहा कि इंटरनेशनल लीग टी20 में वही टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो जल्द से जल्द वहां की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लेंगी। कई खिलाड़ी लगातार क्रिकेट खेलने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता अहम होगी।

बल्लेबाजों के सामने स्पिनरों को दिखानी पड़ती हैं ज्यादा विविधताएं - आधुनिक क्रिकेट में बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बढ़ते प्रभाव और स्पिनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर नूर ने कहा कि गेंद को हवा में डालना भी स्पिन गेंदबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कला है। इससे गेंद की गति कम करने और बल्लेबाज को चकमा देने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पिचें काफी सपाट होती हैं। ऐसे में स्पिनरों को टिके रहने और प्रभावी बने रहने के लिए हर तरह की विविधता का इस्तेमाल करना पड़ता है।



नूर ने आईपीएल को बताया सबसे कठिन फॉर्मेट - नूर अहमद ने माना कि क्रिकेट का हर फॉर्मेट चुनौतीपूर्ण है, लेकिन उनके अनुसार आईपीएल सबसे कठिन टूर्नामेंटों में से एक है। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण टीमों को एक अतिरिक्त बल्लेबाज का विकल्प मिल जाता है। इसके अलावा सपाट पिचों पर बल्लेबाजों को रोकना गेंदबाजों के लिए और मुश्किल हो जाता है। नूर के मुताबिक, आईपीएल में गेंदबाजों को बल्लेबाजों के खिलाफ लगातार नई रणनीति और विविधताओं के साथ उतरना पड़ता है। यही वजह है कि इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा, आईओसी के समक्ष 26 को प्रस्तुतिकरण

नई दिल्ली । भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। आईओए चुनाव में उनकी अध्यक्ष पद पर दावेदारी को लेकर पनपे विवाद के बाद यह सवाल खड़े हुए थे कि उषा इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी या नहीं, लेकिन खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

उषा के नहीं होने पर पड़ता नकारात्मक प्रभाव - इस ओलंपिक के लिए सात देशों की दावेदारी के बीच यह दावा जताने की प्रारंभिक प्रक्रिया है। आने वाले वर्षों में कुछ दौर की प्रक्रियाओं के बाद 2029 के मध्य में आईओसी 2036 के ओलंपिक मेजबान की घोषणा करेगा। सूत्र बताते हैं कि उषा की ओर से



भी भारत की मेजबानी पर पक्ष रखा जाएगा। आईओए एसओएम के चुनाव में हार के बाद माना जा रहा था कि खेल मंत्रालय और पीटी उषा के बीच दूरियां बन गई हैं। आईओए की ओर से उसकी स्वायत्तता में हस्तक्षेप की बात कर आईओसी को शिकायत भी की गई थी। जिस पर आईओसी ने आईओए से जवाब मांगा था, लेकिन देश सर्वोपरि की भावना के साथ उषा को इस प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। अगर उषा इस प्रस्तुतिकरण में नहीं होतीं तो इसका आईओसी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता।

आईओसी के सवालों के जवाब भी दिए जाएंगे - भारत की ओर से मेजबानी पर प्रस्तुतिकरण दिए जाने के बाद फ्यूचर होस्ट कमीशन की ओर से सवाल भी किए जाएंगे। खेल सचिव हरिरंजन राव के नेतृत्व में इसके जवाब दिए जाएंगे। सूत्र बताते हैं कि आईओसी के समक्ष देश में किस तरह खेल के अनुरूप तंत्र विकसित किया गया है, किस तरह खेलों में लैंगिक समानता पर जोर दिया गया है, इस पर प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। साथ ही मेजबान शहर अहमदाबाद में पहले से विकसित स्टेडियमों और इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारे में बताया जाएगा। साथ ही 2036 के लिए इस शहर में खेल स्टेडियमों और गेम्स विलेज को विकसित किए जाने की योजना के बारे में भी बताया जाएगा।

शतकीय पारी के बाद पंत बोले- अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्थापित देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्थापित देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के



सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है। उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी - भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।

न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास - पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।'

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com